Test Series Question Paper 02-12-2023

प्रश्न 1: हाल ही में धार्मिक स्थल "सम्मेद शिखर" खबरों में था। निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:

1. सभी जैन तीर्थंकरों को इसी स्थान पर मोक्ष प्राप्त हुआ था।

2. तीर्थंकर भगवान के अवतार नहीं थे।

3. इस स्थान की पूजा केवल श्वेतांबर करते हैं।

ऊपर दिए गए कथनों में से कितने सही हैं?

(a) केवल एक

(b) केवल दो

(c) सभी तीन

(d) कोई भी नहीं

उत्तर: (a)

व्याख्या:

- हाल ही में जैन समुदाय ने झारखंड के पारसनाथ पहाड़ी पर धार्मिक स्थल सम्मेद शिखर और गुजरात के पालीताना में शत्रुंजय पहाड़ी को लेकर देशभर में विरोध प्रदर्शन किया।
- जैन समुदाय झारखंड सरकार की पर्यटन नीति का विरोध कर रहा है, जिसका उद्देश्य पारसनाथ पहाड़ियों में सम्मेद शिखरजी को पर्यटन स्थल के रूप में विकसित करना है।
- **कथन 1 गलत है:** ऐसा माना जाता है कि 24 जैन तीर्थंकरों में से 20 (भगवान ऋषभदेव, भगवान वासुपूज्य, भगवान नेमिहथा और भगवान महावीर को छोड़कर) ने सम्मेद शिखर पर मोक्ष (ध्यान करने के बाद "मोक्ष") प्राप्त किया है।
- **कथन 2 सही है:** तीर्थंकर का अर्थ है "पूर्णिमा", जो केवल ज्ञान का एक रूपक है। तीर्थंकर भगवान का अवतार नहीं है।
- **कथन 3 गलत है:** शिखरजी की पूजा दिगंबर और श्वेतांबर दोनों करते हैं। शिखरजी 'श्वेतांबर पंच तीर्थ' (पांच प्रमुख तीर्थस्थल) का भी हिस्सा है, अन्य चार अष्टपद, गिरनार, माउंट आबू के दिलवाड़ा मंदिर और शत्रुंजय हैं।

प्रश्न 2: हाल ही में दिल्ली में G20 शिखर सम्मेलन के आयोजन स्थल पर नटराज की प्रतिमा स्थापित की गई थी। नटराज प्रतिमा से संबंधित निम्नलिखित युग्मों पर विचार करें:

1. अभयमुद्रा : निचला दाहिना हाथ

2. अपस्मार को दबाना : बायां पैर

3. भुजंगत्रसिता : दाहिना पैर

उपरोक्त में से कितने जोड़े सही हैं?

(a) केवल एक

(b) केवल दो

(c) सभी तीन

(d) कोई भी नहीं

उत्तर: (a)

व्याख्या:

दुनिया की सबसे ऊंची नटराज प्रतिमा दिल्ली में G20 शिखर सम्मेलन के आयोजन स्थल भारत मंडपम में स्थापित की गई है।

नटराज प्रतिमा की विशेषताएं:

- ऊपरी दाहिने हाथ में डमरू (सृजन का प्रतीक) है।
- ऊपरी बाएँ हाथ में अग्नि (विनाश और उसके समकक्ष का प्रतीक) है।
- निचला दाहिना हाथ अभयमुद्रा में (एक इशारा जो भय को दूर करता है और सुरक्षित अस्तित्व का आश्वासन देता है)। **इसलिए, जोड़ी (1) सही है।**
- निचला बायां हाथ डोला हस्त में रखा हुआ है।
- दाहिने पैर का उपयोग अपस्मार (अज्ञानता या विस्मृति का दानव) को संतुलित करने और दबाने के लिए किया जाता है। **इसलिए, जोड़ी (2) गलत है।**
- बायां पैर भुजंगत्रसीता मुद्रा में (तिरोभाव का प्रतिनिधित्व करता है, जो भक्त के मन से माया या भ्रम के पर्दे को हटा रहा है)। **इसलिए, जोड़ी (3) गलत है।**
- संपूर्ण नृत्य प्रतिमा के चारों ओर गोलाकार ज्वाला माला (लपटों की माला)।

प्रश्न 3: हड़प्पा मुहरों के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. मुहरों से जानवरों की छाप गायब थी।

2. अधिकांश मुहरों पर चित्रात्मक लिपि होती है।

3. स्क्रिप्ट अधिकतर दाएँ से बाएँ लिखी जाती थी।

ऊपर दिए गए कथनों में से कितने सही हैं?

(a) केवल एक

(b) केवल दो

(c) सभी तीन

(d) कोई भी नहीं

उत्तर: (b)

व्याख्या:

• **कथन 1 गलत है**: जानवरों की छाप हड़प्पा की मुहरों की एक सामान्य विशेषता है। हड़प्पा की मुहरों पर चित्रित कुछ सबसे आम जानवरों में बैल, ज़ेबरा, हाथी और गैंडा शामिल हैं।

• **कथन 2 सही है:** अधिकांश हड़प्पा मुहरों में चित्रात्मक लिपि है। चित्रात्मक लेखन एक प्रकार का लेखन है जिसमें शब्दों या विचारों को दर्शाने के लिए चित्रों का उपयोग किया जाता है। हड़प्पा लिपि अभी भी समझ में नहीं आई है, लेकिन विद्वानों का मानना है कि इसका उपयोग व्यापार लेनदेन और भूमि स्वामित्व जैसी प्रशासनिक जानकारी दर्ज करने के लिए किया जाता था।

• **कथन 3 सही है:** हड़प्पा लिपि अधिकतर दाएँ से बाएँ लिखी जाती थी। यह मिस्र की चित्रलिपि और सुमेरियन क्यूनिफॉर्म सहित कई प्राचीन लेखन प्रणालियों की एक सामान्य विशेषता है।

प्रश्न 4: अशोक स्तंभों की विशेषताओं के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए और गलत विकल्प चुनिए:

(a) अबेकस अशोक के स्तंभों का आधार बनता है।

(b) अबेकस पर जानवरों की मूर्तियाँ पाई जाती हैं।

(c) राजधानी या तो कमल के आकार की थी या घंटी के आकार की थी।

(d) घंटी के आकार की राजधानियाँ ईरानी स्तंभों से प्रभावित थीं।

उत्तर: (a)

व्याख्या:

- शीर्ष फलक (अबेकस) अशोक स्तंभों का सबसे ऊपरी हिस्सा है। यह एक चौकोर पत्थर का खंड है जो शिखर के ऊपर स्थित है (अलंकृत नक्काशीदार टुकड़ा जो स्तंभ के शाफ्ट पर

टिका हुआ है)। शीर्ष फलक आमतौर पर सादा और अलंकृत होता है, और यह मुकुटधारी पशु मूर्तिकला के लिए आधार के रूप में कार्य करता है, जो आमतौर पर एक शेर होता है। **तो, विकल्प (a) गलत है।**

- अशोक के स्तंभों का एक लंबा शाफ्ट आधार बनाता था और पत्थर या मोनोलिथ के एक ही टुकड़े से बना था।
- इसके शीर्ष पर राजधानी स्थित थी, जो या तो कमल के आकार की थी या घंटी के आकार की थी। **तो, विकल्प (c) सही है।**
- घंटी के आकार की राजधानियाँ ईरानी स्तंभों से प्रभावित थीं, साथ ही स्तंभों की अत्यधिक पॉलिश और चमकदार फिनिश भी थी। **तो, विकल्प (d) सही है।**
- राजधानी के ऊपर, अबेकस पर ज्ञात एक गोलाकार या आयताकार आधार था जिस पर एक जानवर की आकृति रखी गई थी। उदाहरण: चंपारण में लौरिया नंदनगढ़ स्तंभ, वाराणसी के पास सारनाथ स्तंभ, आदि। **इसलिए, विकल्प (b) सही है।**

प्रश्न 5: भरुत स्तूप के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. यह -ग्रीक लोकप्रिय कला के शुरुआती उदाहरणों में से एक का प्रतिनिधित्व करता है।
2. वेदिका के एक स्तंभ पर एक यूनानी योद्धा का चित्रण किया गया है।
3. रेलिंग पर जातक कथाएँ चित्रित हैं।
4. भरहुत स्तूप की रेलिंग "रानी माया का सपना" दर्शाती है

ऊपर दिए गए कथनों में से कितने सही हैं?

(a) केवल एक

(b) केवल दो

(c) केवल तीन

(d) सभी चार

उत्तर: (c)

व्याख्या:

- **कथन 1 गलत है:** रेलिंग पर शिलालेखों के अनुसार, मौर्य की शाही कला के विपरीत, भरहुत स्तूप में नक्काशी और आकृतियाँ आम लोगों, भिक्षुओं और ननों द्वारा प्रदान की गई थीं। परिणामस्वरूप, इसे मौर्य लोकप्रिय कला के शुरुआती उदाहरणों में से एक माना जाता है।
- **कथन 2 सही है:** वेदिका के एक स्तंभ पर एक यूनानी योद्धा को दर्शाया गया है। उसके छोटे बाल और एक हेडबैंड है और उसने जूते और एक अंगरखा पहना हुआ है।

- **कथन 3 सही है:** बुद्ध के पिछले अवतार; जन्म कथाएँ, जिन्हें जातक कथाएँ कहा जाता है, रेलिंग पर चित्रित की गई हैं। बौद्ध कला के प्राचीन चरण का प्रतिनिधित्व भरहुत स्तूप द्वारा किया जाता है। बुद्ध को प्रतीकों की एक श्रृंखला के रूप में दिखाया गया है।
- **कथन 4 सही है:** भरहुत स्तूप की रेलिंग "रानी माया के सपने" को दर्शाती है, जो बुद्ध के जन्म से पहले हुआ था। प्रारंभिक बौद्ध कला में बुद्ध की आकृति को कभी चित्रित नहीं किया गया था। इसके बजाय, वहां उनके प्रतीक थे, जिनमें एक सीट, पैरों के निशान, बोधि वृक्ष, पहिया और "स्तूप" शामिल थे। रेलिंग की मूर्तिकला राहतें प्रारंभिक बौद्ध प्रतीकात्मक तत्वों का एक वास्तविक संग्रह हैं।

प्रश्न 6: अमरावती कला विद्यालय की निम्नलिखित विशिष्ट विशेषताओं पर विचार कीजिए:

1. देशी और विदेशी दोनों प्रभाव।

2. केवल सातवाहन शासक ही इस विद्यालय के संरक्षक थे।

3. लंबे पैर और पतले फ्रेम।

ऊपर दिए गए कथनों में से कितने सही हैं?

(a) केवल एक

(b) केवल दो

(c) सभी तीन

(d) कोई भी नहीं

उत्तर: (a)

व्याख्या:

- **कथन 1 गलत है:** अमरावती स्कूल ऑफ आर्ट को स्वदेशी भारतीय कला का एक महत्वपूर्ण उदाहरण माना जाता है। इसकी विशेषता इसकी सुंदर और परिष्कृत मूर्तियां हैं, जो बुद्ध के जीवन और अन्य बौद्ध कहानियों के दृश्यों को दर्शाती हैं। अमरावती स्कूल ऑफ आर्ट ने भारत और दक्षिण पूर्व एशिया में बौद्ध कला के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।
- **कथन 2 गलत है:** सातवाहन इसे संरक्षण देने वाले पहले व्यक्ति थे, उसके बाद इक्ष्वाकु और अन्य समूह (सामंत, प्रशासक और व्यापारी) आए। अमरावती कला शैली आंध्र प्रदेश में कृष्णा और गोदावरी नदियों की निचली घाटियों के बीच विकसित हुई।

- **कथन 3 सही है:** अमरावती कला की सामान्य विशेषताएं यह थीं कि आकृतियाँ सफेद संगमरमर से बनाई गई थीं। आकृतियों को लंबे पैरों और पतले फ्रेम के साथ अच्छी तरह से तैयार किया गया था। शारीरिक सुंदरता और कामुक अभिव्यक्तियाँ इस कला को नियंत्रित करती हैं।

प्रश्न 7: भारत में सूर्य मंदिरों से संबंधित निम्नलिखित जोड़ियों पर विचार कीजिए:

1. ब्रह्मण्य देव मंदिर : उत्तराखंड
2. अरसवल्ली सूर्य नारायण मंदिर : आंध्र प्रदेश
3. सूर्यनार कोविल : तमिलनाडु
4. दक्षिणार्क सूर्य मंदिर : कर्नाटक

उपरोक्त में से कितने जोड़े सही हैं?

(a) केवल एक

(b) केवल दो

(c) केवल तीन

(d) सभी चार

उत्तर: (b)

व्याख्या:

प्रतिष्ठित कोणार्क सूर्य मंदिर के पहिए की भित्तिचित्र को G20 शिखर सम्मेलन में विश्व नेताओं के सामने प्रदर्शित किया गया।

भारत में कुछ महत्वपूर्ण सूर्य मंदिर हैं:

- मार्तंड सूर्य मंदिर : जम्मू और कश्मीर
- ब्रह्मण्य देव मंदिर : मध्य प्रदेश। **इसलिए, जोड़ी (1) गलत है।**
- मोढेरा सूर्य मंदिर : गुजरात
- कटारमल सूर्य मंदिर : उत्तराखंड
- सूर्य पहाड़ मंदिर : असम

KHAN GLOBAL STUDIES
Most Trusted Learning Platform
KHAN SIR

- दक्षिणार्क सूर्य मंदिर : बिहार, इसलिए, **जोड़ी (4) गलत है।**
- अरसवल्ली सूर्य नारायण मंदिर: आंध्र प्रदेश, **इसलिए, जोड़ी (2) सही है।**
- सूर्यनार कोविल : तमिलनाडु, **इसलिए, जोड़ी (3) सही है।**

प्रश्न 8: बुद्ध से संबंधित मुद्राओं के निम्नलिखित युग्मों पर विचार करें:

1. **वितर्क मुद्रा:** दाहिना हाथ कंधे के स्तर पर और बायां हाथ कूल्हे के स्तर पर स्थित है।
2. **अभय मुद्रा:** दाहिने हाथ की हथेली बाहर की ओर होती है और उंगलियां सीधी और जुड़ी हुई होती हैं।
3. **अंजलि मुद्रा:** हथेलियाँ और उंगलियाँ एक दूसरे से लंबवत जुड़ी हुई।
4. **उत्तरबोधि मुद्रा:** तर्जनी उंगलियां सीधी और एक-दूसरे को छूती हुई।

उपरोक्त में से कितने जोड़े सही हैं?

(a) केवल एक

(b) केवल दो

(c) केवल तीन

(d) सभी चार

उत्तर: (d)

व्याख्या:

- **कथन 1 सही है:** वितर्क मुद्रा का अभ्यास दाहिने हाथ से कंधे के स्तर पर और बाएं हाथ से कूल्हे के स्तर पर किया जा सकता है। इस मुद्रा की इस भिन्नता का उपयोग ध्यान और प्रार्थना के लिए किया जा सकता है।
- **कथन 2 सही है:** अभय मुद्रा दाहिने हाथ की हथेली को बाहर की ओर करके और उंगलियों को सीधी और जुड़ी हुई करके किया जाता है। यह आश्वासन और सुरक्षा का संकेत है।
- **कथन 3 सही है:** अंजलि मुद्रा श्रद्धा और सम्मान का एक संकेत है। यह हृदय के सामने हथेलियों और उंगलियों को एक साथ दबाकर किया जाता है।
- **कथन 4 सही है:** उत्तरबोधि मुद्रा तर्जनी उंगलियों को सीधा करके और एक-दूसरे को छूकर किया जाता है। यह एक योगिक हाथ का इशारा है जिसके बारे में कहा जाता है कि यह आत्मज्ञान को बढ़ावा देता है।

प्रश्न 9: पेंटिंग की फ्रेस्को विधि के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए और गलत विकल्प चुनिए:

a) चट्टान की सतह पर गाय के गोबर और चावल की भूसी के साथ मिश्रित मिट्टी की एक परत लगाई गई थी।
b) फिर इसके शीर्ष पर चूने के प्लास्टर का लेप लगाया गया।
c) फिर सूखी सतह पर रंग और रंगद्रव्य लगाए गए।
d) इससे रंगद्रव्यों को अंदर जाने और चट्टान की सतह पर एक स्थायी छवि बनाने की सुविधा मिली।

उत्तर: (c)

व्याख्या:

- फ्रेस्को विधि का उपयोग करके बनाई गई पेंटिंग में तीन-चरणीय तकनीक शामिल है:
  - चट्टान की सतह पर गाय के गोबर और चावल की भूसी मिश्रित मिट्टी की एक परत लगाई गई।
  - फिर उसके ऊपर चूने के प्लास्टर का लेप लगाया गया।
  - फिर नम सतह पर रंग और रंगद्रव्य लगाए गए। इससे रंगद्रव्यों को अंदर जाने और चट्टान की सतह पर एक स्थायी छवि बनाने की सुविधा मिली। **तो, विकल्प (c) गलत है।**
- उदाहरण: मरती हुई राजकुमारी, उड़ती हुई अप्सरा, आदि।

प्रश्न 10: पांडवलेनी गुफाओं के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. ये गुफाएं महायान आस्था को समर्पित हैं।
2. इन गुफाओं में केवल सातवाहन ही चित्रित हैं।
3. इसमें सिंहासन और पदचिह्न जैसे रूपांकनों और प्रतीकों का उपयोग किया गया है।

ऊपर दिए गए कथनों में से कितने सही हैं?

(a) केवल एक

(b) केवल दो

(c) सभी तीन

(d) कोई भी नहीं

KHAN GLOBAL STUDIES
Most Trusted Learning Platform
KHAN SIR

उत्तर: (a)

व्याख्या:

- **कथन 1 गलत है:** पांडवलेनी गुफाएँ प्राचीन बौद्ध गुफाओं का एक संग्रह हैं। पांडवलेनी गुफाएं पहली शताब्दी ईस्वी के दौरान विकसित की गईं और हीनयान काल से संबंधित हैं। हीनयान संप्रदाय के तहत, उनकी उपस्थिति को सिंहासन और पैरों के निशान जैसे रूपांकनों और प्रतीकों के उपयोग के माध्यम से दर्शाया गया है।
- **कथन 2 गलत है:** क्षत्रप, सातवाहन और अभीर तीन राजा हैं जिन्हें पांडवलेनी गुफाओं में दर्शाया या वर्णित किया गया है।
- **कथन 3 सही है:** सिंहासन और पदचिह्न रूपांकन पांडवलेनी गुफाओं में पाए जाने वाले सबसे आम रूपांकनों में से दो हैं। सिंहासन की आकृति का उपयोग बुद्ध के ज्ञानोदय और एक सार्वभौमिक शिक्षक के रूप में उनकी स्थिति को दर्शाने के लिए किया जाता है। पदचिह्न आकृति का उपयोग दुनिया में बुद्ध की उपस्थिति का प्रतिनिधित्व करने के लिए किया जाता है।

प्रश्न 11: हाल ही में होयसलस का पवित्र समूह खबरों में था। निम्नलिखित कथन पर विचार कीजिए:

1. इसे 41वां यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल घोषित किया गया है।

2. इसमें दारासुरम, नागेश्वर और केशव मंदिर शामिल हैं।

3. होयसला मंदिर कर्नाटक का दूसरा यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल है।

ऊपर दिए गए कथनों में से कितने सही हैं?

(a) केवल एक

(b) केवल दो

(c) सभी तीन

(d) कोई भी नहीं

उत्तर: (d)

व्याख्या:

- **कथन 1 गलत है:** कर्नाटक में होयसला के पवित्र समूह को 42वां यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल (WHS) घोषित किया गया है।
- **कथन 2 गलत है:** इसमें चेन्नाकेशव मंदिर (बेलूर) और होयसलेश्वर मंदिर (हलेबिडु) और केशव मंदिर (सोमनाथपुर) के मंदिर शामिल हैं।
- इन मंदिरों का निर्माण 12वीं-13वीं शताब्दी के दौरान किया गया था।
- **कथन 3 गलत है:** होयसला मंदिर कर्नाटक का चौथा यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल (WHS) है। अन्य तीन हैं हम्पी, पट्टडकल और पश्चिमी घाट।

प्रश्न 12: चित्रकला से संबंधित निम्नलिखित जोड़ियों पर विचार कीजिए:

चित्रकारी	**स्थान**
1. रावण छाया शैलाश्रय	उड़ीसा
2. लेपाक्षी पेंटिंग	राजस्थान
3. जोगीमारा गुफा चित्रकारी	गुजरात

उपरोक्त में से कितने युग्म/जोड़े सही हैं?

(a) केवल एक

(b) केवल दो

(c) सभी तीन

(d) कोई भी नहीं

उत्तर: (a)

व्याख्या:

- रावण छाया रॉक शेल्टर पेंटिंग भारत के ओडिशा के केंदुझार (क्योंझर) जिले के डांगुआपासी गांव के पास, रॉक शेल्टर्स के सीताभिनजी समूह में स्थित है। **तो, विकल्प (a) सही है।**
- लेपाक्षी पेंटिंग आंध्र प्रदेश के अनंतपुर जिले के लेपाक्षी में वीरभद्र मंदिर में स्थित हैं। **इसलिए, विकल्प (b) गलत है।**
- जोगीमारा गुफा चित्र छत्तीसगढ़ के सरगुजा जिले के पुटा गांव, रामगढ़ पहाड़ियों पर स्थित हैं। **तो, विकल्प (c) गलत है।**

प्रश्न 13: अपभ्रंश कला विद्यालय में चित्रकला की विशेषताओं के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए?

1. कोणीय चेहरे
2. जानवरों की मूर्तियों को खिलौनों के रूप में दर्शाया गया है
3. मछली के आकार की उभरी हुई आंखें

ऊपर दिए गए कथनों में से कितने सही हैं?

(a) केवल एक

(b) केवल दो

(c) सभी तीन

(d) कोई भी नहीं

उत्तर: (c)

व्याख्या:

- अपभ्रंश कला विद्यालय के चित्रों में चित्रित मानव आकृतियों में मछली के आकार की उभरी हुई आंखें; एक नुकीली नाक और दोहरी ठुड्डी हैं। **विकल्प (3) सही है।**
- उन्होंने तीसरी और चौथी प्रोफाइल में कोणीय चेहरे बनाने का चलन शुरू करने की कोशिश की। वे आकृतियाँ आमतौर पर कठोर होती हैं और अलंकरण भी सावधानी से किया जाता है। **विकल्प (1) सही है।**
- महिला मूर्तियों में कूल्हे और ब्रेस्ट्स बढ़े हुए हैं। चित्रों में पशु-पक्षियों की मूर्तियों को खिलौनों के रूप में दर्शाया गया है। **विकल्प (2) सही है।**
- सबसे प्रसिद्ध उदाहरण 15वीं शताब्दी के कल्पसूत्र और कालकाचार्य कथा का है।

प्रश्न 14: दिल्ली सल्तनत के दौरान लघु कला के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. निमतनामा इस काल की लघु कला के सर्वोत्तम उदाहरणों में से एक है।
2. यह पांडुलिपि केवल फ़ारसी शैलियों को प्रदर्शित करती है।

नीचे दिए गए कोड में से सही विकल्प चुनिए:

(a) केवल 1

(b) केवल 2

(c) 1 और 2

(d) कोई भी नहीं

उत्तर: (a)

व्याख्या:

- इन चित्रों ने अपने मूल के फ़ारसी तत्वों को भारतीय पारंपरिक तत्वों के साथ एक साथ लाने का प्रयास किया।
- उन्होंने सचित्र पांडुलिपियों को प्राथमिकता दी और इस अवधि के बेहतरीन उदाहरणों में से एक नासिर शाह (जिन्होंने मांडू पर शासन किया था) के शासनकाल के दौरान निमतनामा (पाक कला पर एक किताब) है। **तो, विकल्प (1) सही है।**
- यह पांडुलिपि स्वदेशी और फ़ारसी शैलियों के संश्लेषण को दर्शाती है। **अतः, विकल्प (2) ग़लत है।**

प्रश्न 15: मुगल चित्रकला की विशेषताओं के संबंध में निम्नलिखित कथन पर विचार कीजिए:

1. प्रकृतिवाद
2. धर्मनिरपेक्ष
3. केवल फ़ारसी और भारतीय शैली का मिश्रण

ऊपर दिए गए कथनों में से कितने सही हैं?

(a) केवल एक

(b) केवल दो

(c) सभी तीन

(d) कोई भी नहीं

उत्तर: (b)

व्याख्या:

- **कथन 1 सही है:** मुगल चित्रकला प्रकृति के यथार्थवादी चित्रण के लिए जानी जाती है, और कई मुगल चित्रों में पौधों, फूलों, जानवरों और परिदृश्यों का विस्तृत चित्रण है।
- **कथन 2 सही है:** मुगल चित्रकला अपने धर्मनिरपेक्ष विषयों के लिए जानी जाती है, और कई मुगल पेंटिंग रोजमर्रा की जिंदगी, दरबारी जीवन और प्रकृति के दृश्यों को दर्शाती हैं।
- **कथन 3 गलत है:** मुगल चित्रकला फारस, भारत और यूरोप के कलात्मक प्रभावों का एक अनूठा मिश्रण है। यह संलयन बोल्ड रंगों, जटिल विवरणों और लोगों और जानवरों के यथार्थवादी चित्रण के उपयोग में स्पष्ट है।

प्रश्न 16: अपनी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और स्थापत्य वैभव के साथ, शांतिनिकेतन को हाल ही में यूनेस्को की विश्व धरोहर स्थल (WHS) में शामिल किया गया है। निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. यह पश्चिम बंगाल का तीसरा यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल बन गया है।
2. इसकी वास्तुकला भारतीय, यूरोपीय और एशियाई प्रभावों का एक अनूठा मिश्रण है।
3. यहां की दीवारें उत्कृष्ट भित्ति, भित्तिचित्रों और मूर्तिकला भित्तिचित्रों से सजी हैं।

ऊपर दिए गए कथनों में से कितने सही हैं?

(a) केवल एक

(b) केवल दो

(c) सभी तीन

(d) कोई भी नहीं

उत्तर: (c)

व्याख्या:

- **कथन 1 सही है:** शांतिनिकेतन को भारत के 41वें यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल (WHS) के रूप में नामित किया गया है। सुंदरवन राष्ट्रीय उद्यान और दार्जिलिंग माउंटेन रेलवे के बाद यह पश्चिम बंगाल का तीसरा विश्व धरोहर स्थल है।
- **कथन 2 सही है:** इसमें भारत की प्राचीन, मध्ययुगीन और लोक परंपराओं के साथ-साथ जापानी, चीनी, फ़ारसी, बाली, बर्मी और आर्ट डेको रूपों (पश्चिमी यूरोप और संयुक्त राज्य अमेरिका) के तत्वों को शामिल किया गया है।
- **कथन 3 सही है:** प्रमुख भारतीय कलाकारों द्वारा भित्ति चित्र, भित्तिचित्र और मूर्तिकला भित्तिचित्र दीवारों पर सुशोभित हैं। कालो बारी की दीवारें और गलियारे भरहुत, महाबलीपुरम, मोहनजोदड़ो, मिस्र और असीरियन रूपांकनों से सुशोभित हैं।

प्रश्न 17: किशनगढ़ चित्रकला विद्यालय के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. इसका विकास सवाई प्रताप सिंह के संरक्षण में हुआ।

2. बनी थानी चित्रकला इसी विद्यालय की है।

3. बनी थानी उत्कृष्ट रचना महान कलाकार नैनसुख द्वारा की गई थी।

ऊपर दिए गए कथनों में से कितने सही हैं?

(a) केवल एक

(b) केवल दो

(c) सभी तीन

(d) कोई भी नहीं

उत्तर: (a)

व्याख्या:

- **कथन 1 ग़लत है:** किशनगढ़ चित्रकला विद्यालय का विकास राजा सावंत सिंह (1748-1757 ई.) के संरक्षण में हुआ था।
- **कथन 2 सही है:** किशनगढ़ चित्रकला शैली ने बानी थानी नामक चित्रकला शैली को जन्म दिया। इसे भारत की मोनालिसा के नाम से भी जाना जाता है। यह महान कलाकार निहाल चंद की उत्कृष्ट कृति है। इसे भारत सरकार द्वारा अपने एक डाक टिकट पर अंकित किया जा रहा है।
- **कथन 3 गलत है:** दुर्भाग्य से, किशनगढ़ के लघुचित्र बहुत ही कम संख्या में उपलब्ध हैं। ऐसा माना जाता है कि उनमें से अधिकांश मास्टर चित्रकार निहाल चंद द्वारा किए चित्रित किए गए थे, जो अपने कार्यों में, अपने मास्टर की गीतात्मक रचनाओं की दृश्य छवियां बनाने में सक्षम हैं।

प्रश्न 18: निम्नलिखित जोड़ियों पर विचार कीजिए:

पहाड़ी चित्रकला की शैली	**विशेषताएं**
1. बसोहली शैली	: प्राथमिक रंग का व्यापक प्रयोग
2. गुलेर शैली	: द्वितीयक रंग का व्यापक प्रयोग

3. कुल्लू-मंडी स्कूल : गहरे एवं मटमैले रंग का प्रयोग

उपरोक्त में से कितने जोड़े सही हैं?

(a) केवल एक

(b) केवल दो

(c) केवल तीन

(d) सभी चार

उत्तर: (b)

व्याख्या:

- पेंटिंग की बसोहली शैली की विशेषता सशक्त और बोल्ड रेखाएं और मजबूत चमकते रंग हैं। इन चित्रों में बहुत सारे प्राथमिक रंगों का उपयोग किया जाता है, जैसे कि लाल, पीला और हरा। **इसलिए, जोड़ी (1) सही है।**
- गुलेर पेंटिंग एक नई प्राकृतिक और नाजुक शैली में हैं जो बसोहली कला की पिछली परंपराओं में बदलाव का प्रतीक है। इस्तेमाल किए गए रंग मुलायम और ठंडे हैं। **इसलिए, जोड़ी (2) गलत है।**
- कुल्लू-मंडी स्कूल शैली को बोल्ड ड्राइंग और गहरे और सुस्त रंगों के उपयोग द्वारा चिह्नित किया गया है। हालाँकि कुछ मामलों में कांगड़ा शैली का प्रभाव देखा गया है फिर भी यह शैली अपने विशिष्ट लोक चरित्र को बरकरार रखती है। **इसलिए, जोड़ी (3) सही है।**

प्रश्न 19: निम्नलिखित जोड़ियों पर विचार कीजिए:

लोक चित्रकला	**क्षेत्र**
1. सोहराई पेंटिंग	मध्य प्रदेश
2. थांगका पेंटिंग्स	लद्दाख
3. कालमेझुथु	तमिलनाडु

उपरोक्त में से कितने जोड़े सही हैं?

(a) केवल एक

KHAN GLOBAL STUDIES
Most Trusted Learning Platform
KHAN SIR

(b) केवल दो

(c) सभी तीन

(d) कोई भी नहीं

उत्तर: (a)

व्याख्या:

- कोहवर और सोहराई पेंटिंग झारखंड राज्य से संबंधित हैं। इन चित्रों का अभ्यास विशेष रूप से विवाहित महिलाओं द्वारा, शादियों के दौरान और फसल के समय किया जाता है, और पारंपरिक कौशल कबीले की युवा महिलाओं को सिखाया जाता है। **इसलिए, जोड़ी (1) गलत है।**
- थांगका पेंटिंग कपास, या रेशम पर एक तिब्बती बौद्ध पेंटिंग है, जो आमतौर पर बौद्ध देवता, दृश्य या मंडल को दर्शाती है। वर्तमान में सिक्किम, हिमाचल प्रदेश, लद्दाख क्षेत्र और अरुणाचल प्रदेश से संबंधित थांगका को मूल रूप से श्रद्धा के एक माध्यम के रूप में उपयोग किया जाता था जो बौद्ध धर्म के उच्चतम आदर्शों को जन्म देता था। **इसलिए, जोड़ी (2) सही है।**
- कलाम (कालमेझुथु) केरल में पाई जाने वाली कला का अनोखा रूप है। यह ग्रामीण घरों के सामने बनाई जाने वाली रंगोली के समान है। यह मूल रूप से केरल के मंदिरों और पवित्र उपवनों में प्रचलित एक अनुष्ठानिक कला है, जहां फर्श पर काली और भगवान अयप्पा जैसे देवताओं का चित्रण किया जाता है। **इसलिए, जोड़ी (3) गलत है।**

प्रश्न 20: भारत के प्रतिष्ठित साड़ी बुनाई क्लस्टर विश्व धरोहर केंद्र, यूनेस्को द्वारा प्रकाशित राज्यों की पार्टियों की अस्थायी सूची का हिस्सा हैं। निम्नलिखित समूहों को उस राज्य से मिलाएँ जिसमें वे स्थित हैं:

प्रतिष्ठित साड़ी क्लस्टर	**राज्य**
1. चंदेरी	: मध्य प्रदेश
2. पैठण	: गुजरात
3. येओला	: तमिलनाडु
4. पोचमपल्ली	: आंध्र प्रदेश

नीचे दिए गए कोड का उपयोग करके उत्तर चुनिए।

(a) केवल 1 और 2

(b) केवल 2 और 3

(c) केवल 1 और 4

(d) केवल 3 और 4

उत्तर: (c)

व्याख्या:

- **जोड़ी 1 सही है:** चंदेरी, मध्य प्रदेश भारत के सबसे प्रतिष्ठित साड़ी बुनाई समूहों में से एक है। यह शहर अपनी नाजुक, हल्की साड़ियों के लिए जाना जाता है जो मुलायम शहतूत रेशम से बनी होती हैं।
- **जोड़ी 2 गलत है:** पैठण महाराष्ट्र के औरंगाबाद जिले में एक शहर है। यह अपनी प्रतिष्ठित पैठणी साड़ियों के लिए जाना जाता है, जो शुद्ध सोने के धागों और पारंपरिक विधि से काते गए रेशम के धागों से बनाई जाती हैं।
- **जोड़ी 3 गलत है:** प्रतिष्ठित साड़ी बुनाई क्लस्टर कला जल्द ही महाराष्ट्र के अन्य स्थानों अर्थात् येओला, पुणे, मालेगांव और नासिक में फैल गई। यहां अजंता गुफा चित्रों के रूपांकन भी देखे जा सकते हैं।
- येओला, राजस्थान भारत में एक प्रतिष्ठित साड़ी बुनाई क्लस्टर है। यह शहर अपनी पारंपरिक राजस्थानी साड़ियों के लिए जाना जाता है, जो मुलायम कपास और रेशम से बनी होती हैं।
- **जोड़ी 4 सही है:** पोचमपल्ली, आंध्र प्रदेश भारत में एक प्रतिष्ठित साड़ी बुनाई क्लस्टर है। यह शहर अपनी इकत साड़ियों के लिए प्रसिद्ध है, जो रेशम या कपास से बनी होती हैं।

प्रश्न 21: नए संसद द्वारों से संबंधित निम्नलिखित जोड़ियों पर विचार कीजिए:

प्रवेश द्वार	**प्रेरित**
1. गज द्वार	: मध्य प्रदेश के सिहोनिया में शिव मंदिर
2. गरुड़ द्वार	: विजय विट्ठल मंदिर, हम्पी, कर्नाटक
3. अश्व द्वार	: सूर्य मंदिर, कोणार्क, ओडिशा

उपरोक्त में से कितने जोड़े सही हैं?

(a) केवल एक

(b) केवल दो

(c) केवल तीन

(d) सभी चार

उत्तर: (a)

व्याख्या:

- गज द्वार: ज्ञान और धन, बुद्धि और स्मृति का प्रतिनिधित्व करता है, और लोकतंत्र के निर्वाचित प्रतिनिधियों की आकांक्षाओं का भी प्रतीक है। यह कर्नाटक के बनबासी में मधुकेश्वर मंदिर में इसी तरह की मूर्ति से प्रेरित है। **इसलिए, जोड़ी (1) गलत है।**
- गरुड़ द्वार: गरूड़ जैसा गरुड़ स्टैण्ड, जो देश की जनता और प्रशासकों की आकांक्षाओं का प्रतीक है। कुंभकोणम, तमिलनाडु से नायक काल की मूर्तिकला की एक समान मूर्ति से प्रेरित। **इसलिए, जोड़ी (2) गलत है।**
- अश्व द्वार: सचेत और तैयार खड़ा घोड़ा जो धैर्य और मजबूती, शक्ति और गति का प्रतीक है, साथ ही शासन की गुणवत्ता का भी वर्णन करता है। सूर्य मंदिर, कोणार्क, ओडिशा में एक समान मूर्ति से प्रेरित। **इसलिए, जोड़ी (3) सही है।**

प्रश्न 22: छऊ नृत्य के बारे में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए।

1. यह नृत्य रात के समय खुली जगह पर महिला नर्तकियों द्वारा किया जाता है।

2. यह नकली युद्ध तकनीकों का उपयोग करते हुए नृत्य और मार्शल प्रथाओं दोनों का मिश्रण है।

3. छऊ नृत्य का विषय हिंदू पौराणिक कथाओं पर आधारित है।

इनमें से कौन सा कथन सही है?

(a) केवल 1 और 2

(b) केवल 2 और 3

(c) केवल 1 और 3

(d) 1, 2 और 3

उत्तर: (b)

व्याख्या:

- छाऊ एक आदिवासी मार्शल आर्ट नृत्य है जो मुख्य रूप से ओडिशा, झारखंड और पश्चिम बंगाल में किया जाता है। उत्पत्ति और विकास के स्थान के आधार पर इस नृत्य की तीन उप-शैलियाँ हैं, पुरुलिया छाऊ (पश्चिम बंगाल), सरायकेला छाऊ (झारखंड) और मयूरभंज छाऊ (ओडिशा)।
- **कथन 1 गलत है:** नृत्य मुख्य रूप से वसंत उत्सव के दौरान किया जाता है और 13 दिनों तक चलता है। इसमें पूरा समाज भाग लेता है। पुरुष नर्तक रात के समय एक खुले स्थान पर नृत्य करते हैं।
- **कथन 2 सही है:** यह नकली युद्ध तकनीकों को नियोजित करने वाले नृत्य और मार्शल अभ्यास दोनों का मिश्रण है।
- **कथन 3 सही है:** छऊ नृत्य का विषय हिंदू पौराणिक कथाओं पर आधारित है। मयूरभंज छाऊ को छोड़कर नर्तक प्रदर्शन के दौरान मुखौटे पहनते हैं।

प्रश्न 23: हिंदुस्तानी शास्त्रीय संगीत की एक शैली ध्रुपद के बारे में निम्नलिखित पर विचार कीजिए:

1. इसका उल्लेख आईन-ए-अकबरी में मिलता है।

2. ध्रुपद आलाप के वाक्यांश प्रारंभ में धीमे और चिंतनशील होते हैं, लेकिन धीरे-धीरे गति बढ़ती जाती है।

3. यह शास्त्रीय गायन के ख्याल रूप का एक उपसमूह है।

नीचे दिए गए कोड का उपयोग करके उत्तर चुनिए।

(a) केवल 1 और 2

(b) केवल 2 और 3

(c) केवल 1 और 3

(d) 1, 2 और 3

उत्तर: (a)

व्याख्या:

- **कथन 1 सही है:** ध्रुपद का उल्लेख 16वीं शताब्दी के फ़ारसी पुस्तक आईन-ए-अकबरी में किया गया है, जो सम्राट अकबर के मुगल दरबार का दस्तावेज है। इससे पता चलता है कि ध्रुपद उस समय संगीत की एक सुस्थापित शैली थी।

KHAN GLOBAL STUDIES
Most Trusted Learning Platform
KHAN SIR

- **कथन 2 सही है:** अलापा ध्रुपद प्रदर्शन का पहला खंड है। यह एक धीमी और ध्यानपूर्ण सुधार है जो गायक को राग (मधुर विधा) का पता लगाने और अपने गायन कौशल को विकसित करने की अनुमति देता है। जैसे-जैसे प्रदर्शन आगे बढ़ता है अलापा की गति धीरे-धीरे बढ़ती है, लेकिन यह पूरे समय अपेक्षाकृत धीमी रहती है।
- **कथन 3 गलत है:** ध्रुपद शास्त्रीय गायन के ख्याल रूप का उपसमूह नहीं है। दरअसल, ध्रुपद को हिंदुस्तानी शास्त्रीय संगीत का सबसे पुराना जीवित रूप माना जाता है, जबकि ख्याल एक अपेक्षाकृत नया रूप है जो 17वीं शताब्दी में विकसित हुआ। ख्याल की विशेषता इसकी तेज़ गति और अधिक अलंकृत धुनें हैं, जबकि ध्रुपद अपनी धीमी गति और अधिक चिंतनशील शैली के लिए जाना जाता है।

प्रश्न 24: निम्नलिखित जोड़ियों पर विचार कीजिए:

संगीत का नाम	**उत्पत्ति का राज्य**
1. तिकिर	असम
2. न्योगा	अरुणाचल प्रदेश
3. हेकैलेउ	नागालैंड
4. खुबाकेशी	मणिपुर

उपरोक्त में से कितने जोड़े सही हैं?

(a) केवल एक

(b) केवल दो

(c) केवल तीन

(d) सभी चार

उत्तर: (d)

व्याख्या:

संगीत का नाम	**उत्पत्ति का राज्य**	**प्रमुख विषय**
तिकिर	असम	यह इस्लाम की शिक्षा का प्रतीक है।
जा-जिन-जा	अरुणाचल प्रदेश	विवाह के दौरान गाया जानेवाल
नियोगा	अरुणाचल प्रदेश	विवाह समारोह के अंत में गाया जानेवाल

हेकैलेउ	नगालैंड	स्वयं के बारे में गीत
खुबाकेशी	मणिपुर	एक गाना जिसमें पूरी तरह से तालियां बजती हैं।

प्रश्न 25: निम्नलिखित में से कौन सा सही सुमेलित नहीं है?

(a) फुगड़ी - छत्तीसगढ़

(b) चेराव - मिजोरम

(c) दलखाई - ओडिशा

(d) झूमर - पंजाब

उपरोक्त में से कितने जोड़े सही हैं?

(a) केवल एक

(b) केवल दो

(c) केवल तीन

(d) सभी चार

उत्तर: (c)

व्याख्या:

- **जोड़ी 1 गलत है:** गोवा के कोंकण क्षेत्र में त्योहारों के दौरान महिलाओं द्वारा फुगड़ी का प्रदर्शन किया जाता है। वे विभिन्न संरचनाओं में नृत्य करते हैं, अधिकतर वृत्तों या पंक्तियों में। स्थानीय रीति-रिवाजों के अनुसार इसके कई उप-प्रकार हैं।
- **जोड़ी 2 सही है:** चेराव मिजोरम का एक लोक नृत्य है और इसमें बांस की छड़ियों का उपयोग करके किया जाता है। इसकी उत्पत्ति विदेशी होने की संभावना है। पुरुष बांस की लंबी जोड़ी को लयबद्ध थाप पर थपथपाते हैं, और लड़कियाँ बांस की थाप पर नृत्य करती हैं।
- **जोड़ी 3 सही है:** दलखाई ज्यादातर ओडिशा में दशहरा के त्योहार के दौरान किया जाता है। जनजातियाँ इसे करती हैं और इसमें कई संगीत वाद्ययंत्रों का उपयोग किया जाता है। इसमें रामायण और महाभारत की घटनाओं, भगवान कृष्ण की कहानियों आदि का प्रतिनिधित्व किया जाता है।

- **जोड़ी 4 सही है:** झूमर पंजाब और आसपास के क्षेत्रों में आदिवासी सिखों द्वारा फसल के मौसम के दौरान किया जाता है, यह एक घेरे में किया जाता है। ढोल की धुन पर हथियारों का संचालन सबसे महत्वपूर्ण हिस्सा है। वेशभूषा भांगड़ा जैसी ही होती है। इसे बलूचिस्तान के व्यापारियों द्वारा भारत लाया गया था।

प्रश्न 26: ऐसा माना जाता है कि पुराने संसद भवन का डिज़ाइन चौसठ योगिनी मंदिर से प्रेरित था। चौसठ योगिनी मंदिर के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. इस मंदिर का केंद्रीय मंदिर भगवान शिव को समर्पित है।

2. यह ज्योतिष और गणित की शिक्षा प्रदान करने का स्थान था।

3. यह भारत में बना एकमात्र गोलाकार मंदिर है।

उपरोक्त में से कितने जोड़े सही हैं?

(a) केवल एक

(b) केवल दो

(c) सभी तीन

(d) कोई भी नहीं

उत्तर: (b)

व्याख्या:

- चौसठ योगिनी मंदिर मध्य प्रदेश के मुरैना जिले के मितावली गांव में स्थित है।
- इसका निर्माण वर्ष 1323 के आसपास कच्छपघाट वंश के राजा देवपाल ने करवाया था।
- **कथन 2 सही है:** यह सूर्य के पारगमन के आधार पर ज्योतिष और गणित में शिक्षा प्रदान करने का स्थान था।
- भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण ने मंदिर को एक प्राचीन और ऐतिहासिक स्मारक घोषित किया है।
- इसकी कोशिकाओं के अंदर ढेर सारे शिवलिंगों की मौजूदगी के कारण इसे एकतरसो महादेव मंदिर के नाम से भी जाना जाता है।
- **कथन 1 सही है:** यह गोलाकार है, जिसमें 64 योगिनियों को समर्पित 64 कक्ष हैं, और शिव को समर्पित एक केंद्रीय मंदिर है।
- **कथन 3 गलत है:** भारत में कई गोलाकार मंदिर हैं
    - ❖ चौसठ योगिनी मंदिर, मुरैना, मध्य प्रदेश

- 81 योगिनी मंदिर, भेड़ाघाट, मध्य प्रदेश
- रानी का वाव, पाटन, गुजरात
- सूर्य मंदिर, कोणार्क, ओडिशा
- कंदरिया महादेव मंदिर, खजुराहो, मध्य प्रदेश

प्रश्न 27: निम्नलिखित जोड़ियों पर विचार करें:

1. समृद्धि की प्रतिमा : श्रीनिवास रामानुजन
2. स्टैच्यू ऑफ यूनिटी : सरदार वल्लभभाई पटेल
3. शांति की प्रतिमा : विजय वल्लभ सूरिश्वर
4. समानता की प्रतिमा : नादप्रभु केम्पेगौड़ा

उपरोक्त में से कितने जोड़े सही हैं?

(a) केवल एक

(b) केवल दो

(c) केवल तीन

(d) सभी चार

उत्तर: (b)

स्पष्टीकरण:

नाम	**समर्पित हस्ती**	**जगह**
समृद्धि की प्रतिमा	नादप्रभु केम्पेगौड़ा	बेंगलुरु
स्टैच्यू ऑफ यूनिटी	सरदार वल्लभभाई पटेल	केवड़िया, गुजरात
शांति की मूर्ति	विजय वल्लभ सूरिश्वर	राजस्थान
समानता की प्रतिमा	श्रीनिवास रामानुजन	हैदराबाद

प्रश्न 28: हड़प्पा काल की कांस्य प्रतिमा के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

कथन I: हड़प्पा सभ्यता में कांस्य ढलाई का चलन कम था।

कथन II: कांस्य प्रतिमाएँ "खोई हुई मोम तकनीक" या "साइर पर्ड्यू" का उपयोग करके बनाई गई थीं।

उपरोक्त कथनों के संबंध में निम्नलिखित में से कौन सा सही है?

(a) कथन-I और कथन-II दोनों सही हैं और कथन-II कथन-I के लिए सही व्याख्या है।

(b) कथन-I और कथन-II दोनों सही हैं और कथन-II कथन-I के लिए सही व्याख्या नहीं है।

(c) कथन-I सही है और कथन-II गलत है।

(d) कथन-I गलत है और कथन-II सही है।

उत्तर: (d)

व्याख्या:

- **कथन 1 ग़लत है:** हड़प्पा सभ्यता में कांस्य ढलाई का व्यापक पैमाने पर चलन देखा गया था। कांस्य प्रतिमाएँ "खोई हुई मोम तकनीक" या "साइर पर्ड्यू" का उपयोग करके बनाई गई थीं। इस तकनीक में, मोम की आकृतियों को पहले गीली मिट्टी से लेपित किया जाता है और सूखने दिया जाता है। फिर मिट्टी से लेपित आकृतियों को गर्म किया जाता है, जिससे अंदर का मोम पिघल जाता है।
- **कथन II सही है**: फिर मोम को एक छोटे छेद के माध्यम से बाहर निकाला जाता है और तरल धातु को खोखले सांचे के अंदर डाला जाता है। धातु के ठंडा होने और जमने के बाद, मिट्टी की परत को हटा दिया जाता है और मोम की आकृति के समान आकार की एक धातु की आकृति प्राप्त की जाती है। अब भी देश के कई हिस्सों में यही तकनीक प्रचलित है।

प्रश्न 29: स्तूप की विशेषताओं के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार करें और *गलत* विकल्प चुनिए:

(a) स्तूप का मुख्य भाग पकी हुई ईंट से बना था।

(b) स्तूप को लकड़ी की रेलिंग से ढक दिया गया था।

(c) सांची में स्तूप को अशोक काल के दौरान ईंटों से बनाया गया, फिर पत्थर से ढक दिया गया था।

(d) परिक्रमा सर्किट के अलावा प्रवेश द्वार जोड़े गए थे।

उत्तर: (a)

व्याख्या:

- स्तूप का मूल हिस्सा कच्ची ईंटों से बना था, जिसका बाहरी चेहरा प्लास्टर की मोटी परत से ढका हुआ था। **तो, विकल्प (a) गलत है।**

KHAN GLOBAL STUDIES
Most Trusted Learning Platform
KHAN SIR

- स्तूप को एक लकड़ी की रेलिंग से ढक दिया गया था जो एक प्रदक्षिणा पथ (परिक्रमा पथ) को घेरे हुए थी। **तो, विकल्प (b) सही है।**
- यह एक शानदार स्तूप है जिसमें एक परिक्रमा मार्ग और एक गोलाकार टीला है। अशोक के समय में, साँची में बड़ा स्तूप ईंटों से बनाया गया था, फिर पत्थर से ढक दिया गया और कई अतिरिक्त निर्माण किए गए। **तो, विकल्प (c) सही है।**
- परिभ्रमण परिपथ के अतिरिक्त प्रवेश द्वार भी जोड़े गए। स्तूप डिज़ाइन में विस्तार के साथ, वास्तुकारों और मूर्तिकारों के पास विस्तार की योजना बनाने और छवियों को तराशने के लिए पर्याप्त जगह थी। **तो, विकल्प (d) सही है।**

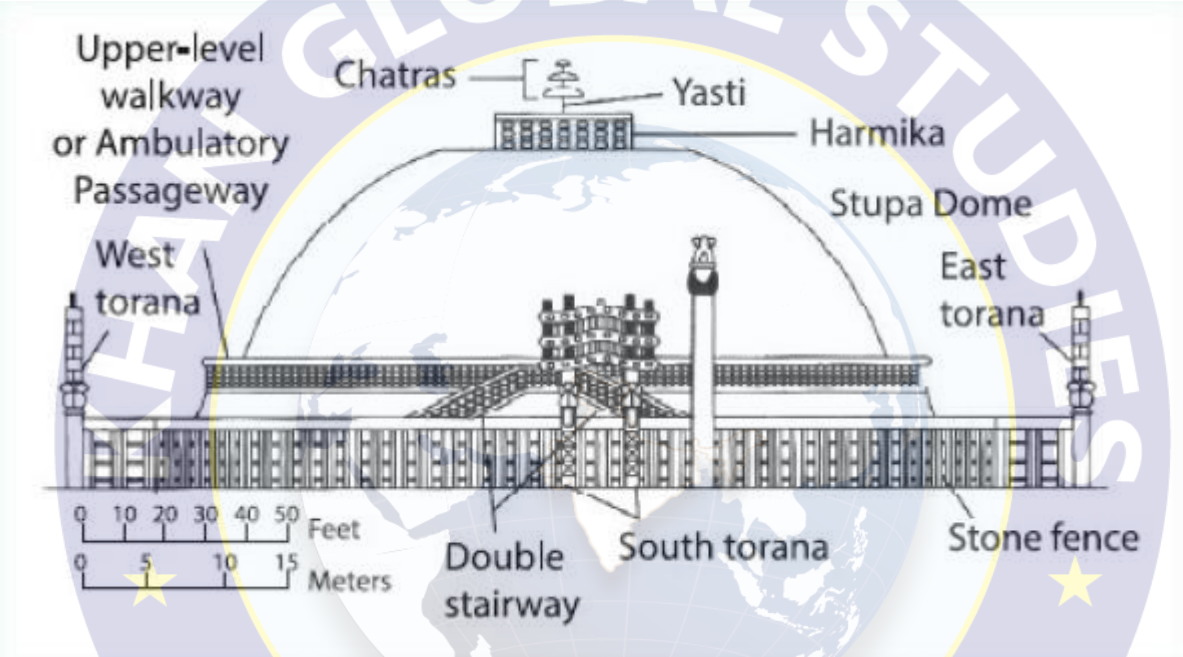

प्रश्न 30: हाल ही में "कोकबोरोक" शब्द खबरों में था। निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए और गलत विकल्प चुनिए:

a) यह बोरोक लोगों द्वारा बोली जाने वाली भाषा है।

b) वे तिब्बती-बर्मन परिवार से हैं।

c) यह मेघालय की राज्य भाषाओं में से एक है।

d) डौलोट अहमद ने पहला कोकबोरोक व्याकरण लिखा।

उत्तर: (c)

व्याख्या:

- कोकबोरोक त्रिपुरा से संबंधित बोरोक लोगों द्वारा बोली जाने वाली भाषा है। **तो, विकल्प (a) सही है।**
- बोरोक असम के बोरो लोगों की शाखा है जो चीन-तिब्बती भाषाई समूह और नस्लीय मोंगोलोइड से संबंधित हैं।
- कोकबोरोक तिब्बती-बर्मन परिवार से संबंधित है और इसका अन्य भाषा परिवार जैसे बोडो, गारो, दिमासा आदि के साथ घनिष्ठ संबंध है। **इसलिए, विकल्प (b) सही है।**
- डौलोट अहमद ने पहला कोकबोरोक व्याकरण (1897) लिखा। **तो, विकल्प (d) सही है।**
- यह त्रिपुरा की राजकीय भाषाओं में से एक है। **तो, विकल्प (c) गलत है।**
- इसे त्रिपुरा जनजातीय क्षेत्र स्वायत्त जिला परिषद की आधिकारिक भाषा घोषित किया गया है।

प्रश्न 31: संगीत नाटक अकादमी अमृत पुरस्कारों के संबंध में निम्नलिखित कथन पर विचार कीजिए:

1. यह पुरस्कार दृश्य कला के क्षेत्र में दिया जाता है।

2. इसमें ₹5 लाख का नकद पुरस्कार दिया जाता है।

3. यह पुरस्कार भारत के राष्ट्रपति द्वारा प्रदान किया जाता है।

ऊपर दिए गए कथनों में से कितने सही हैं?

(a) केवल एक

(b) केवल दो

(c) सभी तीन

(d) कोई भी नहीं

उत्तर: (d)

व्याख्या:

- हाल ही में 84 कलाकारों को संगीत नाटक अकादमी अमृत पुरस्कार से सम्मानित किया गया है।
- **कथन 1 गलत है:** यह प्रदर्शन कला के क्षेत्र में प्रदर्शन करने वाले कलाकारों, शिक्षकों और विद्वानों को सरकार द्वारा दिया जाने वाला एक राष्ट्रीय सम्मान है।
- यह 75 वर्ष से अधिक आयु के उन भारतीय कलाकारों को सम्मानित करना है जिन्हें अब तक अपने करियर में कोई राष्ट्रीय सम्मान नहीं दिया गया है।
- यह संगीत नाटक अकादमी द्वारा एक बार दिया जाने वाला पुरस्कार है।

- **कथन 2 गलत है:** पुरस्कार राशि ₹1 लाख है, इसके अलावा एक 'ताम्रपत्र' और 'अंगवस्त्रम' है।
- **कथन 3 गलत है:** पुरस्कार भारत के उपराष्ट्रपति द्वारा प्रदान किया गया।

प्रश्न 32: सिंधु घाटी सभ्यता के दौरान मिट्टी के बर्तनों के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. मिट्टी के बर्तनों को सादे और चित्रित में वर्गीकृत किया गया था।

2. सादे मिट्टी के बर्तन लाल मृदभांड प्रकार के होते थे।

3. पेड़, पक्षी, जानवरों की आकृतियाँ और ज्यामितीय पैटर्न चित्रों के विषय थे।

ऊपर दिए गए कथनों में से कितने सही हैं?

(a) केवल एक

(b) केवल दो

(c) सभी तीन

(d) कोई भी नहीं

उत्तर: (b)

व्याख्या:

- **कथन 1 सही है:** उत्खनन स्थलों पर पाए गए मिट्टी के बर्तनों को मोटे तौर पर दो प्रकारों में वर्गीकृत किया जा सकता है- सादे मिट्टी के बर्तन और चित्रित मिट्टी के बर्तन।
- **कथन 2 गलत है:** चित्रित मिट्टी के बर्तनों को लाल और काले मिट्टी के बर्तनों के रूप में भी जाना जाता है क्योंकि इसमें पृष्ठभूमि को चित्रित करने के लिए लाल रंग का उपयोग किया जाता था और लाल पृष्ठभूमि पर डिजाइन और आकृतियाँ बनाने के लिए चमकदार काले रंग का उपयोग किया जाता था।
- **कथन 3 सही है:** पेड़, पक्षी, जानवरों की आकृतियाँ और ज्यामितीय पैटर्न चित्रों के आवर्ती विषय थे।

प्रश्न 33: सारनाथ की सिंह राजधानी के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए और *गलत* विकल्प चुनिए:

(a) चार एशियाई शेरों को एक के पीछे एक रखा गया है, जो शक्ति, साहस, गौरव और आत्मविश्वास का प्रतीक हैं।

(b) अबेकस पर चारों दिशाओं में एक चक्र दिखाया गया है।

(c) एक उलटा कमल शीर्ष गोलाकार अबेकस को सहारा देता है।

(d) चक्र के बीच स्थित जानवर में बैल गायब है।

उत्तर: (d)

व्याख्या:

- **विकल्प (a) सही है:** चार एशियाई शेरों को राजधानी में एक के पीछे एक रखा गया है, जिनके चेहरे की मांसपेशियाँ बहुत शक्तिशाली हैं, जो ताकत, साहस, गौरव और आत्मविश्वास का प्रतीक हैं। मूर्तिकला की सतह अत्यधिक पॉलिश की गई है, जैसा कि मौर्य युग की विशेषता है।
- **विकल्प (b) सही है:** अबेकस (घंटी के आधार पर ड्रम) पर सभी चार दिशाओं में एक चक्र (पहिया) दिखाया गया है, जिसमें प्रत्येक चक्र के बीच एक बैल, एक घोड़ा, एक हाथी और एक शेर है। प्रत्येक चक्र में 24 तीलियाँ होती हैं। भारतीय राष्ट्रीय ध्वज में यह 24-स्पोक चक्र है।
- **विकल्प (c) सही है:** एक उलटा कमल शीर्ष गोलाकार अबेकस को सहारा देता है। स्वतंत्र भारत का राष्ट्रीय प्रतीक बिना शाफ्ट, कमल की घंटी और मुकुट चक्र का शिखर है।
- **विकल्प (d) गलत है:** अबेकस को इसी तरह व्यवस्थित किया गया है कि केंद्र में केवल एक चक्र दिखाई देता है, दाईं ओर बैल और बाईं ओर घोड़ा है।

प्रश्न 34: निम्नलिखित पर विचार कीजिए:

1. उदयपुर कोफ्तगारी धातु शिल्प
2. बीकानेर काशीदाकारी शिल्प
3. जोधपुर बंधेज शिल्प
4. बीकानेर उस्ता कला शिल्प

KHAN GLOBAL STUDIES
Most Trusted Learning Platform
KHAN SIR

उपरोक्त में से कितने शिल्पों को हाल ही में जीआई टैग दिया गया?

(a) केवल एक

(b) केवल दो

(c) केवल तीन

(d) सभी चार

उत्तर: (d)

व्याख्या:

हाल ही में, विभिन्न उत्पादों को भौगोलिक संकेत (जीआई) टैग दिया गया जिसमें निम्न शामिल हैं:

जीआई टैग	**राज्य**	**विशेषताएँ**
उदयपुर कोफ्तगारी धातु शिल्प	राजस्थान	हथियारों और हथियारों को कोफ्टगिरी के माध्यम से जटिल डिजाइनों से सजाया जाता है, यह एक मंत्रमुग्ध करने वाली तकनीक है जो गहरे रंग की सतहों पर हल्के धातु के तारों को लगाती है।
बीकानेर काशीदाकारी शिल्प	राजस्थान	बीकानेर की जीवंत सांस्कृतिक टेपेस्ट्री से उत्पन्न, काशीदाकारी शिल्प एक उत्कृष्ट शिल्प है जो पीढ़ियों से चला आ रहा है, मुख्य रूप से मेघवाल समुदाय द्वारा उपयोग किया जाता है। इस कला रूप की विशेषता इसकी जटिल सिलाई और कपास, रेशम या मखमल पर दर्पणों का कलात्मक समावेश है, जो अक्सर शादियों और उपहार देने से संबंधित वस्तुओं को सजाते हैं। दर्पणों की परावर्तक सतहों को 'बुरी नज़र' से बचाने के विश्वास से ओत-प्रोत किया गया है, जो इस उल्लेखनीय शिल्प में जादू और प्रतीकवाद की एक परत जोड़ते हैं।
जोधपुर बंधेज शिल्प	राजस्थान	राजस्थान की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत से जन्मा, जोधपुर बंधेज एक उत्कृष्ट कला रूप है जिसमें कपड़ों की सावधानीपूर्वक बांधने और रंगाई शामिल है। मलमल, रेशम और वॉयल ऐसे कैनवास हैं जिन पर यह जीवंत कलात्मकता सामने आती है, जबकि सूती धागे नाजुक उपकरणों के रूप में काम करते हैं जो सादे कपड़े

		को रंग और पैटर्न के मंत्रमुग्ध कर देने वाले टेपेस्ट्री में बदल देते हैं।
बीकानेर उस्ता कला शिल्प	राजस्थान	बीकानेर उस्ता कला, एक कला रूप जिसने अपने जटिल सोने के अलंकरणों से दुनिया को मंत्रमुग्ध कर दिया है, इसे सोने की नकाशी या सोने की मनौती कला के रूप में भी जाना जाता है। उस्तास, मास्टर कारीगर जिन्होंने इस कला को परिपूर्ण किया, उन्होंने दीवारों, छतों, कांच, लकड़ी, संगमरमर और यहां तक कि ऊंट के चमड़े से बनी कलाकृतियों को अपने उत्कृष्ट डिजाइनों से सजाया। उनकी कलात्मकता विभिन्न प्रकार के रूपांकनों तक फैली हुई थी, जिनमें जटिल पत्ते पैटर्न, राजसी जानवर और सुंदर पक्षी शामिल थे, जिनमें से प्रत्येक को चमचमाते सोने में सावधानीपूर्वक प्रस्तुत किया गया था।

प्रश्न 35: हाल ही में "मायलारा" पंथ खबरों में था। पंथ किसे समर्पित है?

a) भगवान शिव

b) भगवान विष्णु

c) भगवान मुरुगन

d) कोई भी नहीं

उत्तर: (a)

व्याख्या:

- कर्नाटक में हाल ही में खोजी गई मूर्तियों ने राज्य में मायलारा पंथ के अस्तित्व को साबित कर दिया है।
- पंथ के सदस्य, (माइलारा) मैलारा की पूजा करते हैं, जो एक लोक देवता हैं, जिन्हें भगवान शिव की अभिव्यक्ति के रूप में भी पहचाना जाता है। **अतः, विकल्प (a) सही है।**
- इस देवता को अक्सर बैठे, खड़े या घोड़े पर चित्रित किया जाता है और उन्हें आम तौर पर तलवार, त्रिशूल (त्रिशूल), डमरू (घंटा-ग्लास के आकार का ड्रम) और एक कटोरा पकड़े देखा जाता है।
- यह पंथ कर्नाटक, महाराष्ट्र, आंध्र प्रदेश और तमिलनाडु राज्यों में प्रचलित है।

प्रश्न 36: विहारों के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार करें और गलत विकल्प चुनिए:

(a) जटिल नक्काशी वाले स्तंभ पोर्टिको को सहारा देते हैं।

(b) विहारों के बाहरी हिस्से को सजाया नहीं गया था।

(c) विस्तृत नक्काशीदार मकर डिजाइन वाला एक चौकोर अबेकस राजधानी के नीचे स्थित है।

(d) गुफा की दीवारें और छत कलाकृति से ढकी हुई हैं।

उत्तर: (b)

व्याख्या:

- पोर्टिको को जटिल नक्काशी वाले स्तंभों द्वारा समर्थित किया गया है। बौनी आकृतियाँ और अलंकृत नक्काशीदार कोष्ठक और शीर्ष स्तंभों के वर्गाकार आधारों को सुशोभित करते हैं। **तो, विकल्प (a) सही है।**
- विहार अपने अच्छी तरह से सजाए गए बाहरी हिस्सों के लिए जाने जाते हैं। ऐसा इसलिए है क्योंकि वे न केवल पूजा स्थल हैं, बल्कि महत्वपूर्ण सांस्कृतिक और कलात्मक केंद्र भी हैं। विहारों की बाहरी सजावट में अक्सर विभिन्न प्रकार के तत्व शामिल होते हैं, जिनमें प्लास्टर का काम, नक्काशी और पेंटिंग शामिल हैं। **इसलिए, विकल्प (b) गलत है।**
- विस्तृत नक्काशीदार मकर डिजाइन वाला एक चौकोर अबेकस राजधानी के नीचे स्थित है। **तो, विकल्प (c) सही है।**
- गुफा की दीवारें और छतें कलाकृति से भरी हुई हैं। भिक्षु इन कोठरियों को अपने रहने के स्थान के रूप में उपयोग करते थे। **तो, विकल्प (d) सही है।**

प्रश्न 37: गांधार स्कूल ऑफ आर्ट की विशेषताओं के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार करें और *गलत* विकल्प चुनिए:

(a) हिरण पार्क में पहला उपदेश और बुद्ध की मृत्यु को गांधार आकृति में दर्शाया गया है।

(b) इसमें बौद्ध साहित्य के दृश्यों को दर्शाने वाली बुद्ध की छवि और मूर्तिकला शामिल है।

(c) गांधार स्कूल की कला मुख्य रूप से हीनयान थी।

(d) यह स्कूल मानव रूप में बुद्ध की पहली मूर्तिकला प्रस्तुति के लिए जाना जाता है।

उत्तर: (c)

व्याख्या:

- गांधार मूर्तियां तक्षशिला खंडहरों के साथ-साथ अफगानिस्तान और पाकिस्तान के अन्य प्राचीन स्थलों में भी खोजी गई हैं। इनमें आम तौर पर बुद्ध की छवियां और बौद्ध साहित्य के दृश्यों को दर्शाने वाली राहत मूर्तियां शामिल होती हैं। **तो, विकल्प (b) सही है।**
- कई बोधिसत्व आकृतियाँ चट्टान से काट कर बनाई गई थीं। हिरण पार्क में पहला उपदेश और बुद्ध की मृत्यु को गांधार आकृति में दर्शाया गया है। **तो, विकल्प (a) सही है।**
- इस प्रकार की पेंटिंग का मुख्य केंद्र भगवान बुद्ध और बोधिसत्व थे, क्योंकि यह महायान बौद्ध धर्म के साथ घनिष्ठ रूप से जुड़ा हुआ था। परिणामस्वरूप, यह संभव है कि यह शैली विचार और अवधारणा में भारतीय थी लेकिन कार्यान्वयन में विदेशी थी। **तो, विकल्प (c) गलत है।**
- शक और कुषाण दोनों गांधार स्कूल के संरक्षक थे, जो मानव रूप में बुद्ध के पहले मूर्तिकला प्रतिनिधित्व के लिए जाना जाता है। **तो, विकल्प (d) सही है।**

प्रश्न 38: सीताकली लोक कला के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. यह फसल उत्सव के भाग के रूप में किया जाता है।
2. यह तमिलनाडु राज्य में मनाया जाता है।
3. यह गाने, कहानी कहने और तेज़ गति का मिश्रण है।
4. यह महाकाव्य महाभारत से लिए गए कुछ प्रसंगों पर आधारित है।

ऊपर दिए गए कथनों में से कितने सही हैं?

a) केवल एक

b) केवल दो

c) सभी तीन

d) सभी चार

उत्तर: (b)

व्याख्या:

KHAN GLOBAL STUDIES
Most Trusted Learning Platform
KHAN SIR

- **कथन 1 सही है:** सीताकली लोक कला केरल में फसल उत्सव, ओणम के हिस्से के रूप में प्रदर्शित की जाती है। अथम नक्षत्र के दिन से लेकर ओणम के 28वें दिन तक एक घर से दूसरे घर जाकर इस कला का प्रदर्शन किया जाता है।
- **कथन 2 गलत है:** सीताकली लोक कला केरल में, विशेष रूप से कोल्लम जिले में मनाई जाती है। यह एक अनोखी और जीवंत कला है जो पीढ़ियों से चली आ रही है, मुख्य रूप से वेदार और पुलाया समुदायों द्वारा प्रदर्शित की जाती है।
- **कथन 4 गलत है:** यह महाकाव्य रामायण से लिए गए कुछ प्रसंगों पर आधारित है और इसमें राम, सीता, रावण और हनुमान जैसे पात्रों को दर्शाया गया है।
- **कथन 3 सही है:** कला गीतों, कहानी कहने और तेज़ गति का एक मनोरम मिश्रण है जो सदियों से केरल में दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर रही है। प्रदर्शन के दौरान उपयोग किए जाने वाले प्रॉप्स और उपकरण सभी बांस और ताड़ के पत्तों जैसी प्राकृतिक सामग्री से बने होते हैं। चमकीले रंग की वेशभूषा और श्रृंगार का उपयोग किया जाता है।

प्रश्न 39: चैत्यों के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. यह बौद्ध धर्म में केवल मंदिर या प्रार्थना कक्ष को संदर्भित करता है।
2. कर्नाटक बड़ी संख्या में संरचनात्मक बौद्ध चैत्यों के खंडहरों का घर है।
3. भाजा गुफाओं में स्थित चैत्य संभवतः सबसे पुराना जीवित चैत्य हॉल है।
4. चट्टानों को काटकर बनाई गई बाराबर गुफाएँ आजीवक भिक्षुओं को समर्पित थीं।

ऊपर दिए गए कथनों में से कितने सही हैं?

(a) केवल एक

(b) केवल दो

(c) केवल तीन

(d) सभी चार

उत्तर: (b)

व्याख्या:

- **कथन 1 ग़लत है:** भारतीय धर्मों में, चैत्य, चैत्य हॉल, या चैत्य-गृह एक मंदिर, अभयारण्य, मंदिर या प्रार्थना कक्ष है। यह शब्द आमतौर पर बौद्ध धर्म में एक स्तूप और प्रवेश द्वार पर एक गोलाकार एप्स के साथ-साथ एक गोलाकार प्रोफ़ाइल के साथ एक ऊंची छत वाले स्थान

का वर्णन करने के लिए उपयोग किया जाता है। चैत्य जैन धर्म और हिंदू धर्म के प्राचीन धर्मग्रंथों में एक मंदिर, अभयारण्य या किसी पवित्र स्मारक को संदर्भित करता है, विशेष रूप से इमारतों से संबंधित।

- **कथन 2 गलत है:** आंध्र प्रदेश के पूर्वी हिस्से में बड़ी संख्या में संरचनात्मक बौद्ध चैत्यों के खंडहर हैं।
- **कथन 3 सही है:** दूसरी शताब्दी ईसा पूर्व में निर्मित, भजा गुफाओं में चैत्य संभवतः सबसे पुराना जीवित चैत्य हॉल है।
- **कथन 4 सही है:** अशोक के शासनकाल के दौरान, उस समय के एक गैर-बौद्ध धार्मिक और दार्शनिक संगठन, आजीविकों द्वारा या उनके लिए चट्टानों को काटकर बनाई गई बाराबर गुफाओं (लोमस ऋषि गुफा और सुदामा गुफा) की खुदाई की गई थी।

प्रश्न 40: मथुरा कला की मूर्तिकला विशेषताओं के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए और गलत विकल्प चुनिए:

(a) चेहरे गोल और मुस्कुराते हुए हैं, विशालता और मांसलता कम हो गई थी।

(b) बुद्ध और बोधिसत्व की प्रारंभिक छवियां खुश नहीं दिख रही थीं।

(c) शरीर के वस्त्र स्पष्ट रूप से दिखाई देते हैं और वे बाएं कंधे को ढकते हैं।

(d) बुद्ध के सिर के चारों ओर प्रभामंडल प्रचुर मात्रा में सजाया गया था।

उत्तर: (b)

व्याख्या:

- बुद्ध और बोधिसत्व की प्रारंभिक छवियां प्रसन्न, मांसल आकृतियाँ युक्त हैं जिनमें थोड़ी आध्यात्मिकता है। **तो, विकल्प (a) सही है।**
- ब्लॉक जैसी सघनता और चिकनी करीब-सजी बागे, लगभग पूरी तरह से सिलवटों से रहित, सबसे पुरानी खड़ी बुद्ध छवि में दोहराई गई है जो मथुरा स्कूल से संबंधित है। **इसलिए, विकल्प (b) गलत है।**
- छवियों का आयतन चित्र तल से बाहर प्रक्षेपित है, चेहरे गोल हैं और मुस्कुराते हुए हैं, मूर्तिकला के आयतन में भारीपन कम होकर शिथिल मांस में बदल गया है।
- शरीर के वस्त्र स्पष्ट रूप से दिखाई देते हैं और वे बाएँ कंधे को ढँकते हैं। हालाँकि, दूसरी शताब्दी ई.प. में, छवियाँ अधिक घृणित होने के साथ कामुक हो गईं और अधिक आकर्षक हो गईं। तीसरी शताब्दी ई.प. तक अत्यधिक मांसलता कम हो गई और सतही विशेषताएं भी परिष्कृत हो गईं। **तो, विकल्प (c) सही है।**

- चौथी शताब्दी ई.प. में यह चलन जारी रहा लेकिन बाद में इसकी विशालता और मांसलता और कम हो गई और मांसलता अधिक कड़ा हो गया। बुद्ध के सिर के चारों ओर प्रभामंडल प्रचुर मात्रा में सजाया गया था। **तो, विकल्प (d) सही है।**

प्रश्न 41: अनुभव मंतपा के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए और *गलत* विकल्प चुनिए:

a) यह इतिहास की सबसे प्रारंभिक संसदों में से एक है।

b) प्रभुदेवा राष्ट्रपति थे और भगवान बसवेश्वर ने प्रधानमंत्री के रूप में कार्य किया।

c) सदस्यों का चुनाव सीधे जनता द्वारा किया जाता था।

d) भारत मंडपम का विचार अनुभव मंडपम से लिया गया है।

उत्तर: (c)

व्याख्या:

- प्रगति मैदान, नई दिल्ली में अंतर्राष्ट्रीय प्रदर्शनी-सह-सम्मेलन केंद्र (IECC) का नाम 'भारत मंडपम' रखा गया है।
- भारत मंडपम- इसकी उत्पत्ति भगवान बसवेश्वर (12वीं शताब्दी) के अनुभव मंडपम के विचार से हुई है। **तो, विकल्प (d) सही है।**
- अनुभव मंतपा इतिहास की सबसे शुरुआती संसदों में से एक थी, जहां शरणस (कवियों और सामाजिक-आध्यात्मिक-सुधारकों) ने विभिन्न क्षेत्रों में सुधारों के लिए विचार-विमर्श किया। **तो, विकल्प (a) सही है।**
- प्रभुदेवा, एक महान योगी, राष्ट्रपति थे, और भगवान बसवेश्वर ने प्रधानमंत्री के रूप में कार्य किया। **तो, विकल्प (b) सही है।**
- सदस्यों को लोगों द्वारा नहीं चुना जाता था बल्कि मंटापा के उच्च अधिकारियों द्वारा चुना या नामांकित किया जाता था। **तो, विकल्प (c) गलत है।**

प्रश्न 42: पोर्पनैकोट्टई में हाल ही में खोदे गए स्थल के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. यह साइट संगम युग की जीवनशैली और सांस्कृतिक प्रथाओं पर प्रकाश डालती है।

2. उत्खनन से कब्रगाह का पता चलता है।

3. उत्खनन से दूसरे देश के साथ व्यापारिक संबंध का पता चलता है।

4. उत्खनन से पता चलता है कि यह स्थल बुनाई उद्योग के लिए प्रसिद्ध था।

ऊपर दिए गए कथनों में से कितने सही हैं?

a) केवल एक

b) केवल दो

c) केवल तीन

d) सभी चार

उत्तर: (d)

व्याख्या:

- **कथन 1 सही है:** पोर्पनैकोट्टई के पुरातात्विक खजाने संगम युग की जीवनशैली और सांस्कृतिक प्रथाओं में मूल्यवान अंतर्दृष्टि प्रदान करते हैं। यह स्थल तमिलनाडु के पुदुकोट्टई जिले में स्थित है।
- संगम युग प्राचीन तमिलनाडु, केरल के काल को संदर्भित करता है, छठी शताब्दी ईसा पूर्व से सी. तीसरी शताब्दी ई.पू. तक।
- **कथन 2 सही है:** उत्खनन स्थल पर एक दफन स्थल का संकेत मिलता है, और किले क्षेत्र में स्थल के अंदर जल निकायों के संकेत दिखाई देते हैं।
- **कथन 3 सही है:** कारेलियन मनका (आमतौर पर भारत के उत्तरी भाग में पाया जाता है) की खोज ने देश के भीतर व्यापार का संकेत दिया।
- **कथन 4 सही है:** हड्डी बिंदु उपकरणों की खोज से संकेत मिलता है कि पोर्पनैकोट्टई बुनाई उद्योग का एक स्थल था।

प्रश्न 43: सारनाथ स्कूल ऑफ आर्ट की विशेषताओं के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. अधिक सुकुमारता और परिष्कार।

2. विदेशी प्रभाव के कुछ तत्व।

3. छरहरी शारीरिक पहचान।

KHAN GLOBAL STUDIES
Most Trusted Learning Platform
KHAN SIR

ऊपर दिए गए कथनों में से कितने सही हैं?

(a) केवल एक

(b) केवल दो

(c) सभी तीन

(d) कोई भी नहीं

उत्तर: (b)

व्याख्या:

- **कथन 2 ग़लत है:** सारनाथ बुद्ध संभवतः भारतीय मूर्तिकार की सबसे बड़ी एकल उपलब्धि है, जो बड़े पैमाने पर बुद्ध के प्रतिनिधित्व को स्थापित करती है जिसका पूर्वी भारत और दक्षिण पूर्व एशिया में कई शताब्दियों तक पालन किया गया था, साथ ही भारत में मानव शरीर का सामान्य प्रतिनिधित्व भी स्थापित किया गया था। सारनाथ स्कूल ऑफ आर्ट स्वदेशी था; यह बाहरी प्रभावों से अप्रभावित है। विषयवस्तु अधिकतर बौद्ध कला सारनाथ शैली में बनाई गई थी।
- **कथन 1 सही है:** पिछले मथुरा कार्यों की स्तंभ कठोरता के विपरीत, सारनाथ न केवल रूप की नाजुकता और परिष्कार लाता है, बल्कि खड़ी आकृति के मामले में शरीर को अपनी धुरी पर थोड़ा झुकाकर एक आरामदायक रवैया भी लाता है। इस प्रकार इसमें एक निश्चित हल्कापन और गति जुड़ जाती है।
- **कथन 3 सही है:** छरहरी शारीरिक पहचान गतिशीलता का आभास कराती है, शरीर अपनी सभी सूक्ष्म बारीकियों में मॉडलिंग का बारीकी से अनुसरण करता है, यहां तक कि बैठी हुई आकृति के मामले में भी। सभी सिलवटें लगभग गायब हो गई हैं; पर्दे के एकमात्र अवशेष धड़ पर हल्की रेखाएं हैं जो परिधान की सीमाओं का सुझाव देती हैं।

प्रश्न 44: धर्मचक्र मुद्रा के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

कथन I: मुद्राएं बौद्ध धर्म में संचार और आत्म-अभिव्यक्ति का एक गैर-मौखिक तरीका है।

कथन II: यह मुद्रा बोधि वृक्ष के नीचे बुद्ध की ज्ञान प्राप्ति का प्रतीक है।

उपरोक्त कथनों के संबंध में निम्नलिखित में से कौन सा सही है?

(a) कथन-I और कथन-II दोनों सही हैं और कथन-II कथन-I के लिए सही व्याख्या है।

(b) कथन-I और कथन-II दोनों सही हैं और कथन-II, कथन-II के लिए सही व्याख्या नहीं है।

(c) कथन-I सही है और कथन-II गलत है।

(d) कथन-I गलत है और कथन-II सही है।

उत्तर: (c)

व्याख्या:

- संस्कृत में धर्मचक्र का अर्थ है "धर्म का पहिया"। यह बुद्ध के जीवन की सबसे महत्वपूर्ण घटनाओं में से एक का प्रतिनिधित्व करता है: पहला उपदेश जो उन्होंने अपने ज्ञानोदय के बाद सारनाथ के डियर पार्क में अपने साथियों को दिया था। परिणामस्वरूप, यह धर्म की शिक्षा के चक्र के घूमने का प्रतीक है।
- **कथन 1 सही है:** मुद्राएं बौद्ध धर्म में संचार और आत्म-अभिव्यक्ति का एक गैर-मौखिक तरीका है, जिसमें हाथ के इशारे और उंगलियों की मुद्राएं शामिल हैं।
- **कथन 2 गलत है:** धर्मचक्र मुद्रा, बौद्ध धर्म में सबसे महत्वपूर्ण मुद्राओं में से एक, भगवान बुद्ध के पहले उपदेश का प्रतीक है।

प्रश्न 45: हाल ही में संस्कृत कवयित्री शिलाभट्टारिका खबरों में थीं। निम्नलिखित कथन पर विचार कीजिए:

1. वह चालुक्य शासक पुलकेशिन द्वितीय की बेटी थी।

2. उन्होंने पांचाली शैली में लिखा।

3. संस्कृत कवि राजशेखर ने उनकी उत्तम और मनोहर रचनाओं के लिए उनकी सराहना की।

ऊपर दिए गए कथनों में से कितने सही हैं?

a) केवल एक

b) केवल दो

c) सभी तीन

d) कोई भी नहीं

उत्तर: (c)

व्याख्या:

- हाल ही में, पुणे स्थित भंडारकर ओरिएंटल रिसर्च इंस्टीट्यूट (BORI) द्वारा प्राचीन तांबे की प्लेटों को डिकोड किया गया, जिससे प्राचीन संस्कृत कवयित्री शीलाभट्टारिका पर प्रकाश पड़ा।
- **कथन 1 सही है:** वह एक चालुक्य राजकुमारी थी, संभवतः पुलकेशिन द्वितीय की बेटी थी। निष्कर्षों के अनुसार, वह वर्तमान सिद्धांत के बजाय 7वीं शताब्दी ईस्वी में रहती थीं, जो उन्हें 8वीं शताब्दी के राष्ट्रकूट शासक, ध्रुव की पत्नी के रूप में बताता है।
- **कथन 2 सही है:** शिलाभट्टारिका पांचाली शैली का पालन करती है जिसमें शब्दों के अर्थ के साथ संतुलन की आवश्यकता होती है।
- **कथन 3 सही है:** संस्कृत कवि-आलोचक राजशेखर (जो 9वीं-10वीं शताब्दी ईस्वी में रहते थे) और गुर्जर-प्रतिहारों के दरबारी कवि थे, ने शिलाभट्टारिका की उनकी सुरुचिपूर्ण और सुंदर रचनाओं के लिए प्रशंसा की है।

प्रश्न 46: भूमिस्पर्श मुद्रा के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. यह मुद्रा सभी बुरी ऊर्जा को दूर कर देती है।
2. गोद में बायीं हथेली ज्ञान को जन्म देती है।
3. यह मुद्रा तनाव और चिंता को कम करने में मदद करती है।

उपरोक्त में से कितने जोड़े सही हैं?

(a) केवल एक

(b) केवल दो

(c) सभी तीन

(d) कोई भी नहीं

उत्तर: (c)

व्याख्या:

- **कथन 1 सही है:** भूमिस्पर्श मुद्रा, जिसे पृथ्वी-स्पर्श मुद्रा के रूप में भी जाना जाता है, एक बौद्ध हाथ का इशारा है जिसे अक्सर बुद्ध की छवियों में दर्शाया जाता है। यह ग्राउंडिंग और स्थिरता का एक संकेत है, और ऐसा माना जाता है कि यह नकारात्मक ऊर्जा को दूर करने और पृथ्वी से जुड़ने में मदद करता है।
- **कथन 2 सही है:** बायीं हथेली को गोद में रखकर भूमिस्पर्श मुद्रा ज्ञान को जन्म देने वाली मानी जाती है। ऐसा इसलिए है क्योंकि बायां हाथ मस्तिष्क के ग्रहणशील पक्ष से जुड़ा है, जो

अंतर्ज्ञान, रचनात्मकता और कल्पना के लिए जिम्मेदार है। जब बाईं हथेली को गोद में रखा जाता है, तो यह मस्तिष्क के इस हिस्से को खोलने और ज्ञान और प्रेरणा के प्रवाह को बढ़ावा देने में मदद करता है।

- **कथन 3 सही है:** भूमिस्पर्श मुद्रा तनाव और चिंता को कम करने में मदद कर सकती है। ऐसा इसलिए है क्योंकि यह एक ग्राउंडिंग और सेंटरिंग मुद्रा है जो मन और शरीर को शांत करने में मदद करता है।

प्रश्न 47: अजंता गुफाओं के संबंध में निम्नलिखित कथन पर विचार कीजिए:

1. इसे गुप्त शासकों द्वारा संरक्षण प्राप्त था।

2. इस गुफा की आकृतियों में प्रकृतिवाद अनुपस्थित था।

3. चीनी बौद्ध तीर्थयात्री इत्सिंग इस गुफा का विशद विवरण देते हैं।

उपरोक्त कथनों में से कितने सही हैं?

(a) केवल एक

(b) केवल दो

(c) सभी तीन

(d) कोई भी नहीं

उत्तर: (d)

व्याख्या:

- **कथन 1 गलत है:** बौद्ध भिक्षुओं ने वाकाटक शासकों के संरक्षण में अजंता की गुफाओं को खुदवाया था, उनमें से एक हरिषेण था।
- **कथन 2 गलत है:** इन गुफाओं में आकृतियों को भितिचित्रों से चित्रित किया गया था और ये उच्च स्तर की प्रकृतिवाद को प्रदर्शित करती हैं। रंग स्थानीय पौधों और खनिजों से बनाए गए थे।
- चित्रों की रूपरेखा को लाल रंग से रंगा गया, और फिर अंदर की ओर चित्रित किया गया। चित्रों में नीले रंग की गैरमौजूदगी सबसे उल्लेखनीय तत्वों में से एक है।
- इसमें पेंटिंग्स ज्यादातर बौद्ध धर्म पर हैं, जिनमें बुद्ध का जीवन और जातक कहानियां शामिल हैं।
- पांच गुफाओं का निर्माण बौद्ध धर्म के हीनयान काल के दौरान किया गया था, जबकि अन्य 24 का निर्माण महायान काल के दौरान किया गया था।

- **कथन 3 गलत है:** अजंता की गुफाओं का उल्लेख चीनी बौद्ध तीर्थयात्रियों फाह्यान और ह्वेनसांग की यात्रा पत्रिकाओं में किया गया है।

प्रश्न 48: प्राचीन भारतीय कवयित्रियों के संबंध में निम्नलिखित जोड़ियों पर विचार कीजिए:

कवयित्री	**रचना**
1. गार्गी	: ऋग्वेद में स्तोत्र लिखे
2. मैत्रेयी	: एक अद्वैत दार्शनिक
3. अंडाल	: रचित नैसियार तिरुमोली
4. अक्का महादेवी	: वचन रूप में लिखी गईं

उपरोक्त में से कितने जोड़े सही हैं?

(a) केवल एक

(b) केवल दो

(c) केवल तीन

(d) सभी चार

उत्तर: (d)

व्याख्या:

- **जोड़ी 1 सही है:** गार्गी (लगभग 8वीं शताब्दी ईसा पूर्व): उसने आत्मा के मुद्दे पर जटिल प्रश्नों के साथ ऋषि याज्ञवल्क्य (बृहदारण्यक उपनिषद के लेखक) को चुनौती दी। ऐसा कहा जाता है कि उन्होंने ऋग्वेद में कई भजन भी लिखे हैं।
- **जोड़ी 2 सही है:** मैत्रेयी (लगभग 8वीं शताब्दी ईसा पूर्व): उनका उल्लेख बृहदारण्यक उपनिषद में वैदिक ऋषि याज्ञवल्क्य की दो पत्नियों में से एक के रूप में किया गया है। हालाँकि, महाकाव्य महाभारत और गृह्यसूत्र में, मैत्रेयी को एक अद्वैत दार्शनिक के रूप में वर्णित किया गया है, जिन्होंने कभी शादी नहीं की।
- **जोड़ी 3 सही है:** अंडाल (लगभग 10वीं शताब्दी ई.): वह 12 अलवरों में एकमात्र महिला थी। अंडाल ने दो कृतियों की रचना की (दोनों तमिल में) - तिरुप्पावई और नसियार तिरुमोली।

- **जोड़ी 4 सही है:** अक्का महादेवी (लगभग 12वीं ईसा पूर्व): उन्होंने कन्नड़ भाषा में लिखा था और उनकी कविताएँ वचन रूप में हैं, एक प्रकार की गद्य कविता जिसमें ध्वनि के बजाय शब्दार्थ और वाक्य स्वरूप में लयबद्ध संरचना होती है।

प्रश्न 49: जयपुर वेधशाला के प्रमुख यंत्रों के संबंध में निम्नलिखित युग्मों पर विचार कीजिए:

यंत्र	**कार्य**
1. राम यंत्र	: तारों की ऊंचाई मापना।
2. सम्राट यंत्र	: सूर्य की स्थिति जानने के लिए उपयोग किया जानेवाला
3. जया प्रकाश	: समय की गणना के लिए उपयोग किया जानेवाला
4. मिश्र यंत्र	: दुनिया भर के विभिन्न शहरों के दोपहर के समय को दर्शाने हेतु उपयोग

उपरोक्त में से कितने जोड़े सही हैं?

(a) केवल एक

(b) केवल दो

(c) केवल तीन

(d) सभी चार

उत्तर: (b)

व्याख्या:

हाल ही में भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (ASI) ने दिल्ली जंतर-मंतर वेधशाला के संरक्षण, आरक्षण, बहाली और उचित कार्यक्षमता के लिए एक नई विशेषज्ञ समिति का गठन किया है।

जयपुर वेधशाला में सबसे अधिक संख्या और विविधता वाले उपकरण मौजूद हैं। इनमें कई उपकरण शामिल हैं जिनकी नकल अन्य स्थलों पर नहीं की गई है, जैसे- कप्पला यंत्र, रसिवालय यंत्र, और उन्नतम्शा यंत्र, आदि।

प्रमुख यंत्र और उनके कार्य		
यंत्र	**संरचना**	**कार्य**

राम यंत्र	इसमें बेलनाकार संरचनाओं की एक जोड़ी होती है, प्रत्येक के केंद्र में एक स्तंभ होता है।	तारों की ऊंचाई मापना. इसलिए, **जोड़ी (1) सही है।**
सम्राट यंत्र	यह एक बड़ी धूपघड़ी है।	समय की गणना करने और उसका ध्यान रखने के लिए उपयोग किया जाता है। **इसलिए, जोड़ी (2) गलत है।**
जया प्रकाश	ये दो अवतल अर्धगोलाकार संरचनाएँ हैं।	इसका उपयोग सूर्य और अन्य खगोलीय पिंडों की स्थिति का पता लगाने के लिए किया जाता था। **इसलिए, जोड़ी (3) गलत है।**
मिश्र यंत्र	यह एक मिश्रित यंत्र है	इस उपकरण का उपयोग दुनिया भर के विभिन्न शहरों में दोपहर के समय को स्थानीय समय के अनुसार दर्शाने के लिए किया जाता है। **अतः, जोड़ी (4) सही है।**

प्रश्न 50: महरौली शिलालेख के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. इस स्तंभ की स्थापना गुप्त वंश के चंद्रगुप्त-द्वितीय ने की थी।

2. यह स्तंभ चंद्रगुप्त को वंगा और वाकाटकों की विजय का श्रेय देता है।

3. इसका निर्माण भगवान शिव के सम्मान में करवाया गया था।

ऊपर दिए गए कथनों में से कितने सही हैं?

(a) केवल एक

(b) केवल दो

(c) सभी तीन

(d) कोई भी नहीं

उत्तर: (b)

व्याख्या:

- **कथन 1 सही है:** महरौली लौह स्तंभ दिल्ली में कुतुब मीनार परिसर में स्थित है। यह इसके निर्माण में प्रयुक्त धातुओं की जंग प्रतिरोधी संरचना के लिए उल्लेखनीय है। इस स्तंभ की स्थापना गुप्त वंश के चंद्रगुप्त-द्वितीय ने की थी
- **कथन 2 सही है:** यह स्तंभ चंद्रगुप्त को अपने खिलाफ एकजुट हुए दुश्मनों के संघ के खिलाफ अकेले युद्ध करके वंगा देशों पर विजय प्राप्त करने का श्रेय देता है। इसमें उन्हें सिंधु नदी के सात मुहानों पर हुई लड़ाई में वाकाटकों पर विजय पाने का श्रेय भी दिया गया है।
- **कथन 3 गलत है:** इस स्तंभ को भगवान विष्णु के सम्मान में विष्णुपद के रूप में स्थापित किया गया था।

प्रश्न 51: ऐहोल शिलालेख के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए और गलत विकल्प चुनिए:

(a) शिलालेख कन्नड़ भाषा में लिखा गया है।

(b) पुलकेशिन द्वितीय द्वारा हर्षवर्द्धन की पराजय का उल्लेख है।

(c) यह पुलकेशी द्वितीय के दरबारी कवि रविकीर्ति द्वारा लिखा गया है।

(d) इसमें राजधानी को ऐहोल से बादामी में स्थानांतरित करने का भी उल्लेख है।

उत्तर: (a)

व्याख्या:

- कर्नाटक में ऐहोल चालुक्यों की पहली राजधानी थी। एहोल में कई शिलालेख पाए गए, लेकिन मेगुती मंदिर में पाए गए शिलालेख को एहोल शिलालेख के नाम से जाना जाता है, जो चालुक्यों की कई ऐतिहासिक घटनाओं का गवाह है। शिलालेख संस्कृत में लिखा गया है और यह कन्नड़ लिपि में है। **तो, विकल्प (a) गलत है।**
- पुलकेशिन द्वितीय द्वारा हर्षवर्द्धन की पराजय तथा पल्लवों पर चालुक्यों की विजय का उल्लेख मिलता है। इसमें राजधानी को ऐहोल से बादामी स्थानांतरित करने का भी उल्लेख है। **तो, विकल्प (b) और विकल्प (d) सही हैं।**

- इन्हें पुलकेशी द्वितीय के दरबारी कवि रविकीर्ति (जिन्होंने 610 से 642 ई. तक शासन किया) ने लिखा। **तो, विकल्प (c) सही है।**

प्रश्न 52: हाल ही में तुंगनाथ मंदिर खबरों में था। यह मंदिर समर्पित है:

(a) शिव

(b) विष्णु

(c) नरसिम्हा

(d) कोई भी नहीं

उत्तर: (a)

व्याख्या:

- भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण ने तुंगनाथ मंदिर को राष्ट्रीय महत्व का स्मारक घोषित करने के लिए केंद्र से मंजूरी मांगी है।
- माना जाता है कि रुद्रप्रयाग जिले में स्थित मंदिर 1,000 वर्ष से अधिक पुराना है और इसकी स्थापना अर्जुन (पांडव भाइयों में से तीसरे) ने की थी।
- 12,000 फीट से अधिक की ऊंचाई पर स्थित, यह दुनिया का सबसे ऊंचा शिव मंदिर है। **तो, विकल्प (a) सही है।**

प्रश्न 53: हाल ही में जूना खटिया साइट खबरों में थी। निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए और गलत विकल्प चुनिए:

(a) यह गुजरात में कच्छ जिले में स्थित है।

(b) अधिकतम दफन संरचना आयताकार रूप में थी।

(c) यह एक हड़प्पाकालीन दफन स्थल था।

(d) इस साइट से रिजर्व्ड स्लिप वेयर जार की एक अनोखी विशेषता मिली है।

उत्तर: (c)

व्याख्या:

- वर्ष 2018 से, पुरातत्वविदों ने जूना खटिया साइट पर 500 कब्रों की खोज की है।

KHAN GLOBAL STUDIES Most Trusted Learning Platform KHAN SIR

- जूना खटिया एक प्रारंभिक हड़प्पा कब्रगाह है जो गुजरात में कच्छ जिले के लखपत तालुका में स्थित है। **तो, विकल्प (c) सही उत्तर है।**
- साइट में भारत में अब तक का सबसे बड़ा प्रारंभिक हड़प्पा कब्रिस्तान शामिल है।
- गुजरात में अन्य हड़प्पा स्थल: लोथल, सुरकोटदा, धोलावीरा, आदि हैं।
- दफ़नाने की संरचनाएँ तैयार बलुआ पत्थर से बनी होती हैं और उनमें से अधिकांश योजना में आयताकार और उसके बाद अंडाकार या गोलाकार होती हैं।
- रिजर्व्ड स्लिप वेयर जार पर पेंटिंग एक अनोखी विशेषता है।
- एक अन्य विशिष्ट विशेषता में बीकर और अन्य छोटे बर्तन शामिल हैं, जो बड़े जहाजों के भीतर पाए जाते हैं।

प्रश्न 54: इलाहाबाद प्रशस्ति में विभिन्न शिलालेखों का उल्लेख है। निम्नलिखित में से किस शिलालेख का उल्लेख इलाहाबाद प्रशस्ति में है?

(a) ब्राह्मी लिपि में अशोक के शिलालेख

(b) रानी का आदेश

(c) जहांगीर के फारसी में शिलालेख

(d) उपरोक्त सभी

उत्तर: (d)

व्याख्या:

अशोक स्तंभ या इलाहाबाद प्रशस्ति में 4 अलग-अलग शिलालेख हैं।

- सभी स्तंभों की तरह ब्राह्मी लिपि में अशोक के सामान्य शिलालेख। **तो, विकल्प (a) सही है।**
- अशोक की पत्नी कौरवकी के दान कार्यों के संबंध में रानी का आदेश। **तो, विकल्प (b) सही है।**
- समुद्रगुप्त (335 ई.प.- 375 ई.प. के शिलालेख, हरिसेना द्वारा संस्कृत भाषा और ब्राह्मी लिपि में लिखे गए।
- समुद्रगुप्त की विजयों और गुप्त साम्राज्य की सीमाओं का उल्लेख है।
- जहांगीर के शिलालेख फ़ारसी में। **तो, विकल्प (c) सही है।**

प्रश्न 55: मालवा चित्रकला शैली की मुख्य विशेषताओं के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. पेंटिंग में काले और चॉकलेट-भूरे रंग की पृष्ठभूमि दिखाई गई है।

2. रागमाला इस चित्रकला की संगीत विधा है।

3. पेंटिंग में धर्मनिरपेक्ष विषय का अभाव है।

नीचे दिए गए कोड में से सही विकल्प चुनिए:

a) 1 और 2

b) 2 और 3

c) 1 और 3

d) 1, 2 और 3

उत्तर: (a)

व्याख्या:

- **कथन 1 सही है**: मालवा पेंटिंग पूरी तरह से सपाट रचनाओं, काले और चॉकलेट-भूरे रंग की पृष्ठभूमि, एक ठोस रंग पैच के सापेक्ष दिखाए गए आंकड़े और जीवंत रंग में चित्रित वास्तुकला के प्रति आकर्षण दिखाती है।
- स्कूल की सबसे आकर्षक विशेषताएं एक आदिम आकर्षण और एक सरल बच्चों जैसी दृष्टि हैं।
- इस शैली में सबसे पहला काम रसिकप्रिया (1634) का सचित्र संस्करण है, इसके बाद अमरु शतक (1652) नामक एक संस्कृत कविता को चित्रित करने वाली एक श्रृंखला है।
- **कथन 2 सही है:** इसमें संगीत विधाओं (रागमाला), भागवत-पुराण और अन्य हिंदू भक्ति और साहित्यिक कार्यों के चित्र भी हैं।
- **कथन 3 गलत है:** अठारहवीं शताब्दी में मेवाड़ चित्रकला का परिवेश तेजी से धर्मनिरपेक्ष और दरबारी हो गया।

प्रश्न 56: निम्नलिखित जोड़ियों पर विचार कीजिए:

विद्यालय	**संरक्षक**
1. मेवाड़ चित्रकला शैली	: जगत सिंह
2. कोटा स्कूल ऑफ पेंटिंग	: राम सिंह प्रथम
3. बीकानेर स्कूल ऑफ पेंटिंग	: करण सिंह

उपरोक्त में से कितने जोड़े सही हैं?

(a) केवल एक

(b) केवल दो

(c) सभी तीन

(d) कोई भी नहीं

उत्तर: (c)

व्याख्या:

- जगत सिंह प्रथम (1628-1652) के शासनकाल को उस अवधि के रूप में जाना जाता है जब कलाप्रवीण कलाकारों साहिबदीन और मनोहर के नेतृत्व में चित्रात्मक सौंदर्यशास्त्र का सुधार हुआ, जिन्होंने मेवाड़ चित्रकला की शैली और शब्दावली में नई जीवन शक्ति जोड़ी। **इसलिए, जोड़ी (1) सही है।**
- राम सिंह के शासनकाल (1686-1708) तक, कलाकारों ने बड़े उत्साह से विभिन्न प्रकार के विषयों के लिए अपनी सूची का विस्तार किया था। ऐसा प्रतीत होता है कि कोटा के कलाकार सबसे पहले परिदृश्य को रचनाओं के वास्तविक विषय के रूप में प्रस्तुत करने वाले कलाकार थे। **इसलिए, जोड़ी (2) सही है।**
- शिलालेखीय साक्ष्य के अनुसार, सत्रहवीं शताब्दी में मुगल शिल्पशाला के कई मास्टर कलाकारों ने बीकानेर का दौरा किया और काम किया। कर्ण सिंह ने उस्ताद अली रज़ा को काम पर रखा था, जो दिल्ली के एक उत्कृष्ट चित्रकार थे। उनका प्रारंभिक कार्य बीकानेर स्कूल की शुरुआत का प्रतिनिधित्व करता है, जो वर्ष 1650 के आसपास का माना जा सकता है। **इसलिए, जोड़ी (3) सही है।**

प्रश्न 57: चाम लामा नृत्य के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. यह तिब्बती बौद्ध धर्म का एक अनोखा नकाबपोश नृत्य है।

2. नृत्य को अपने आप में ध्यान के रूप में देखा जाता है।

3. माना जाता है कि देव ग्यात्शो ने चाम नृत्य परंपरा की शुरुआत की थी।

नीचे दिए गए कोड में से सही विकल्प चुनिए:

(a) 1 और 2

(b) 2 और 3

(c) 1 और 3

(d) 1, 2 और 3

उत्तर: (a)

व्याख्या:

- **कथन 1 सही है:** चाम लामा नृत्य तिब्बती बौद्ध धर्म के लिए एक अद्वितीय नकाबपोश नृत्य है।
- इसमें बौद्ध भिक्षु रंग-बिरंगे परिधानों के साथ पारंपरिक वाद्ययंत्रों की धुन पर नृत्य करते हैं।
- **कथन 2 सही है:** नृत्य को अपने आप में ध्यान के एक रूप के रूप में देखा जाता है और ज्यादातर बौद्ध मठों में लोसार जैसे त्योहारों के दौरान इसका अभ्यास किया जाता है।
- **कथन 3 गलत है:** माना जाता है कि निंगमापा के संस्थापक पद्म संभव (गुरु रिनपोछे) ने चाम नृत्य परंपरा शुरू की थी।
- नृत्य में अक्सर पद्मसंभव के जीवन और उनकी 8 अभिव्यक्तियों के दृश्यों को दर्शाया जाता है

प्रश्न 58: राजा रवि वर्मा के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए और *गलत* विकल्प चुनिए:

(a) उन्होंने भारत में लिथोग्राफी को शुरू करने और बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

(b) उनकी पेंटिंग्स भारतीय और यूरोपीय परंपरा का सामंजस्यपूर्ण मिश्रण प्रस्तुत करती हैं।

(c) वायसराय लॉर्ड कर्जन ने उन्हें प्रतिष्ठित कैसर-ए-हिंद स्वर्ण पदक से सम्मानित किया।

(d) उन्होंने भारत माता के नाम से प्रसिद्ध कृति की रचना की।

उत्तर: (d)

व्याख्या:

- हाल ही में राजा रवि वर्मा की 175वीं जयंती मनाई गई।
- वह भारत में पाषाणलेखन के शुरुआती समर्थकों में से एक थे। पाषाणलेखन से तात्पर्य एक सपाट पत्थर या धातु की प्लेट पर कार्य करने की कला से है। **तो, विकल्प (a) सही है।**
- वह उन कुछ चित्रकारों में से एक हैं जो यूरोपीय अकादमिक कला की तकनीकों के साथ भारतीय परंपरा का एक सुंदर मिलन करने में कामयाब रहे। **तो, विकल्प (b) सही है**

- सार्वजनिक हित को आगे बढ़ाने में उनकी सेवा के लिए वायसराय लॉर्ड कर्जन ने उन्हें कैसर-ए-हिंद स्वर्ण पदक से सम्मानित किया। **तो, विकल्प (c) सही है**
- उनके चित्रों को तीन श्रेणियों में वर्गीकृत किया जा सकता है- चित्र, चित्र-आधारित रचनाएँ एवं मिथकों और किंवदंतियों पर आधारित नाटकीय रचनाएँ। यह चित्रकला की तीसरी श्रेणी है जिसके लिए राजा रवि वर्मा सबसे प्रसिद्ध हैं।
- राजा रवि वर्मा की कुछ महान पेंटिंग्स-
    - मंदिर में भिक्षा देती महिला- यह वर्तमान भारत में भी एक आम दृश्य है।
    - लेडी लॉस्ट इन थॉट- एक बार फिर यह पेंटिंग एक दक्षिण भारतीय महिला के आधार पर बनाई गई थी।
    - लेडी विद फ्रूट- संभवतः रवि वर्मा की मालकिन के बाद बनाई गई, यह पेंटिंग आपको यह आभास देती है कि यह वर्मा की निजी पसंदीदा में से एक थी।
    - भगवान कृष्ण राजदूत के रूप में- यह उन पेंटिंग में से एक है जिसमें एक हिंदू देवता को दर्शाया गया है।

• भारत माता 1905 में भारतीय चित्रकार अबनिंद्रनाथ टैगोर द्वारा चित्रित एक कृति है। **इसलिए, विकल्प (d) गलत है।**

प्रश्न 59: तंजौर चित्रकला के संबंध में निम्नलिखित कथन पर विचार कीजिए:

1. इन चित्रों की विशेषता उनके समृद्ध जीवंत रंग, सोने के टुकड़े, अर्ध-कीमती पत्थर और बेहतरीन कलात्मक कार्य हैं।

2. इन चित्रों में आकृतियाँ बौनी हैं और उनके चेहरे किसी भी दिव्य आभा से रहित हैं।

3. मराठा राजवंश के महाराजा सर्फोजी द्वितीय के संरक्षण में ये पेंटिंग अपने चरम पर पहुंचीं।

नीचे दिए गए कोड में से सही विकल्प चुनिए:

(a) 1 और 2

(b) 2 और 3

(c) 1 और 3

(d) 1, 2 और 3

उत्तर: (c)

व्याख्या:

- पेंटिंग की तंजौर शैली की विशेषता बोल्ड ड्राइंग, छायांकन की तकनीक और शुद्ध और शानदार रंगों का उपयोग है जो 18वीं और 19वीं शताब्दी के अंत में दक्षिण भारत के तंजौर में विकसित हुई।
- **कथन 1 सही है:** पेंटिंग अर्ध-कीमती पत्थरों, मोतियों, कांच के टुकड़ों और सोने और बेहतरीन कलात्मक कार्यों के रूप में अपनी सजावट के लिए उल्लेखनीय हैं।
- पेंटिंग्स ज्यादातर देवी-देवताओं की हैं क्योंकि पेंटिंग की यह कला उस समय विकसित हुई थी जब कई राजवंशों के शासकों द्वारा सुंदर दिखने वाले और आकर्षक मंदिरों का निर्माण किया जा रहा था।
- **कथन 2 गलत है:** इन चित्रों में आकृतियाँ बड़ी हैं और चेहरे गोल और दिव्य हैं। अधिकांश चित्रों में कृष्ण को विभिन्न मुद्राओं में मुस्कुराते हुए और उनके जीवन की विभिन्न प्रमुख घटनाओं को दर्शाया गया है।
- **कथन 3 सही है:** ये पेंटिंग मराठा राजवंश के महाराजा सर्फोजी द्वितीय के संरक्षण में अपने चरम पर पहुंचीं, जो कला के महान संरक्षक थे।

प्रश्न 60: निम्नलिखित जोड़ियों पर विचार कीजिए:

लोक चित्रकला	**क्षेत्र**
1. पट्टचित्र	ओडिशा
2. पटुआ कला	पश्चिम बंगाल
3. पैटकर चित्रकला	झारखंड
4. फड़ चित्रकला	राजस्थान

उपरोक्त में से कितने जोड़े सही हैं?

(a) केवल एक

(b) केवल दो

(c) केवल तीन

(d) सभी चार

KHAN GLOBAL STUDIES
Most Trusted Learning Platform
KHAN SIR

उत्तर: (d)

व्याख्या:

- ओडिशा की एक पारंपरिक पेंटिंग, पट्टचित्रा नाम संस्कृत शब्द पट्टा से आया है, जिसका अर्थ है कैनवास/कपड़ा और चित्र का अर्थ है तस्वीर। पेंटिंग्स में शास्त्रीय और लोक तत्वों का मिश्रण दिखता है, जिसमें लोक के प्रति पूर्वाग्रह भी है। **इसलिए, जोड़ी (1) सही है।**
- बंगाल की कला, पटुआ कला लगभग एक हजार वर्ष पुरानी है। इसकी शुरुआत चित्रकारों द्वारा मंगल काव्य या देवी-देवताओं की शुभ कहानियाँ सुनाने की एक ग्रामीण परंपरा के रूप में हुई। **इसलिए, जोड़ी (2) सही है।**
- झारखंड के जनजातीय लोगों द्वारा प्रचलित पैतकर पेंटिंग या स्क्रॉल पेंटिंग को देश में चित्रकला के प्राचीन विद्यालयों में से एक माना जाता है। **इसलिए, जोड़ी (3) सही है।**
- यह मुख्य रूप से राजस्थान में पाई जाती है और एक स्क्रॉल-प्रकार की कला है। यह प्रकृति में धार्मिक है और इसमें स्थानीय देवताओं, पाबूजी और देवनारायण के चित्र शामिल हैं। **अत: जोड़ी (4) सही है।**

प्रश्न 61: निम्नलिखित जोड़ियों पर विचार कीजिए:

जीआई टैग	**राज्य**
1. मनामदुरै मिट्टी के बर्तन	आंध्र प्रदेश
2. नागरी दुबराज चावल	केरल
3. तावल्लोहपुआन	मणिपुर

उपरोक्त में से कितने जोड़े सही हैं?

(a) केवल एक

(b) केवल दो

(c) सभी तीन

(d) कोई भी नहीं

उत्तर: (d)

व्याख्या:

- **जोड़ी 1 गलत है:** हाल ही में तमिलनाडु के शिवगंगई जिले के मनामदुरई मिट्टी के बर्तनों को भौगोलिक संकेत (जीआई) टैग मिला है। एक अनोखी प्रकार की मिट्टी नेदुनकुलम, नाथपुरक्की, सुंदरानाडप्पु, वैगई नदी जैसे जल निकायों से प्राप्त की जाती है, जो मनामदुरई गांव से होकर बहती है और मिट्टी के बर्तनों के लिए उपयोग की जाने वाली मिट्टी को समृद्ध करती है।
- **जोड़ी 2 गलत है:** छत्तीसगढ़ की नागरी दुबराज चावल किस्म को भौगोलिक संकेत टैग मिला है। वर्ष 2019 में जीराफूल चावल के बाद, दुबराज जीआई टैग पाने वाला दूसरा ब्रांड है।
- **जोड़ी 3 गलत है:** तावल्लोहपुआन को भारत सरकार के उद्योग और आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग के तहत भौगोलिक संकेत (जीआई) टैग जीआई प्राप्त हुआ है। तवललोहपुआन मिजोरम का एक मध्यम से भारी, सघन रूप से बुना हुआ, अच्छी गुणवत्ता वाला कपड़ा है, जो ताना-बाना, ताना-बाना, बुनाई और जटिल हस्तनिर्मित डिजाइनों के लिए जाना जाता है।

प्रश्न 62: हाल ही में "हक्की-पिक्की" जनजाति खबरों में थी। निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए और गलत विकल्प चुनिए:

(a) वे मातृसत्तात्मक समूह हैं।

(b) वे द्रविड़ियन भाषा बोलते हैं।

(c) वे 'वागरी' भाषा में संवाद करते हैं।

(d) यूनेस्को ने वागरी को लुप्तप्राय भाषाओं में से एक के रूप में पहचाना है।

उत्तर: (b)

व्याख्या:

- हक्की-पिक्की जनजाति के कुछ सदस्य आंतरिक युद्ध के बीच सूडान में फंसे हुए हैं।
- वे मुख्य रूप से कर्नाटक के शिवमोग्गा, दावणगेरे और मैसूरु जिलों में रहते हैं।
- वे पारंपरिक और हर्बल चिकित्सा के ज्ञान के लिए जाने जाते हैं जिनकी अफ्रीकी देशों में उच्च मांग है।
- हक्की-पिक्की को मातृसत्तात्मक समूह कहा जाता है। **तो, विकल्प (a) सही है।**
- वे इंडो-आर्यन भाषा बोलते हैं। **इसलिए, विकल्प (b) गलत है।**
- वे घर पर 'वागरी' (मातृभाषा) में संवाद करते हैं लेकिन दैनिक व्यवसाय करते समय कन्नड़ में बात करते हैं। **तो, विकल्प (c) सही है।**
- यूनेस्को ने 'वागरी' को लुप्तप्राय भाषाओं में से एक के रूप में सूचीबद्ध किया है। **तो, विकल्प (d) सही है।**

प्रश्न 63: निम्नलिखित जोड़ियों पर विचार कीजिए:

	स्थान	**कला**
1.	केरल	हाथी दांत पर चित्रकारी के लिए प्रसिद्ध
2.	जोधपुर	हाथी दांत से बनी चूड़ियाँ
3.	जयपुर	घरों और छोटी कला वस्तुओं में उपयोग की जाने वाली हाथी दांत की जाली के काम के लिए प्रसिद्ध

उपरोक्त में से कितने जोड़े सही हैं?

(a) केवल एक

(b) केवल दो

(c) सभी तीन

(d) कोई भी नहीं

उत्तर: (c)

व्याख्या:

- हाथी दांत पर नक्काशी और पेंटिंग की कला सदियों से केरल में प्रचलित है, और यह राज्य दुनिया के कुछ सबसे कुशल हाथीदांत कारीगरों का घर है। **इसलिए, जोड़ी (1) सही है।**
- जोधपुर अपनी हाथी दांत की चूड़ियों के लिए प्रसिद्ध है। शहर में हाथी दांत पर नक्काशी और आभूषण बनाने की एक लंबी परंपरा है, और हाथी दांत की चूड़ियाँ इसके सबसे लोकप्रिय उत्पादों में से एक हैं। **इसलिए, जोड़ी (2) सही है।**
- जयपुर आइवरी जाली का काम अपने जटिल डिजाइन और नाजुक शिल्प कौशल के लिए जाना जाता है। जाली का काम अक्सर पुष्प पैटर्न, ज्यामितीय डिजाइन और धार्मिक रूपांकनों से सजाया जाता है। जयपुर का आइवरी जाली का काम अपनी सुंदरता और गुणवत्ता के लिए बेशकीमती है। **इसलिए, जोड़ी (3) सही है।**

प्रश्न 64: इनमें से कौन सा/से सही सुमेलित है?

कढ़ाई शिल्प	**राज्य**

1. काशिदा कढ़ाई - कश्मीर

2. हिमरू शॉल - महाराष्ट्र

3. चम्बा रुमाल - राजस्थान

उपरोक्त में से कितने जोड़े सही हैं?

(a) केवल एक

(b) केवल दो

(c) सभी तीन

(d) कोई भी नहीं

उत्तर: (b)

व्याख्या:

- काशीदा कढ़ाई, कढ़ाई की एक पारंपरिक शैली है जो भारत में कश्मीर क्षेत्र से उत्पन्न हुई है। इस जटिल और रंगीन कढ़ाई तकनीक को इसकी उत्कृष्ट शिल्प कौशल के लिए अत्यधिक माना जाता है और इसका उपयोग शॉल, साड़ी, सूट और घरेलू सामान सहित विभिन्न वस्त्रों को सजाने के लिए किया जाता है। **इसलिए, जोड़ी (1) सही है।**
- हिमरू शॉल पारंपरिक हाथ से बुने हुए वस्त्र हैं जो महाराष्ट्र, विशेष रूप से औरंगाबाद शहर से उत्पन्न होते हैं। ये शॉल अपने जटिल डिज़ाइन, जीवंत रंगों और शानदार एहसास के लिए जाने जाते हैं। **इसलिए, जोड़ी (2) सही है।**
- चंबा रुमाल पारंपरिक कढ़ाई वाले वस्त्र हैं जो राजस्थान के नहीं बल्कि हिमाचल प्रदेश के चंबा क्षेत्र से उत्पन्न होते हैं। इन रुमालों को उनकी उत्कृष्ट शिल्प कौशल, जटिल कढ़ाई और ऐतिहासिक महत्व के लिए अत्यधिक माना जाता है। **इसलिए, जोड़ी (3) गलत है।**

प्रश्न 65: कामाख्या मंदिर के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. यह नीलाचला पहाड़ियों में स्थित है।

2. यह मंदिर माता शक्ति और भगवान शिव को ही समर्पित है।

3. विनाश के बाद मंदिर का पुनर्निर्माण कोच राजवंश द्वारा किया गया था।

ऊपर दिए गए कथनों में से कितने सही हैं?

KHAN GLOBAL STUDIES
Most Trusted Learning Platform
KHAN SIR

a) केवल एक

b) केवल दो

c) सभी तीन

d) कोई भी नहीं

उत्तर: (b)

व्याख्या:

- हाल ही में भूटान के राजा ने कामाख्या मंदिर का दौरा किया।
- **कथन 1 सही है:** 51 शक्तिपीठों में से सबसे पुराना माना जाने वाला कामाख्या मंदिर असम के गुवाहाटी में नीलाचला पहाड़ियों में स्थित है।
- यह तांत्रिक शक्ति पंथ और हिंदुओं का एक महत्वपूर्ण तीर्थस्थल है।
- **कथन 2 गलत है:** यह माँ शक्ति के विभिन्न रूपों को समर्पित है और इसमें भगवान शिव और भगवान विष्णु के मंदिर भी हैं।
- अंबुबाची मेला हर साल देवी कामाख्या के वार्षिक मासिक धर्म के उपलक्ष्य में आयोजित किया जाता है।
- **कथन 3 सही है:** पूर्व मंदिर को काला पहाड़ द्वारा नष्ट कर दिया गया था, जिसे बाद में वर्ष 1565 में कोच राजवंश के राजा चिलाराई द्वारा पुनर्निर्मित किया गया था।

प्रश्न 66: संगीत समारोहों में लोकप्रिय रूप से सुने जाने वाले संगीत की ठुमरी शैली के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

कथन I: इसमें छोटे स्वरों में तेज़ नोट पैटर्न में बोला गया गीत शामिल है।

कथन II: यह मन की मनोदशाओं को देखकर विभिन्न रागों पर आधारित है।

उपरोक्त कथनों के संबंध में निम्नलिखित में से कौन सा सही है?

(a) कथन-I और कथन-II दोनों सही हैं और कथन-II कथन-I के लिए सही व्याख्या है।

(b) कथन-I और कथन-II दोनों सही हैं और कथन-II, कथन-I के लिए सही व्याख्या नहीं है।

(c) कथन-I सही है और कथन-II गलत है।

(d) कथन-I गलत है और कथन-II सही है।

उत्तर: (d)

व्याख्या:

- **कथन I गलत है:** ठुमरी को छोटे स्वरों में तेज स्वर स्वरूप के लिए नहीं जाना जाता है। यह ठुमरी की नहीं, टप्पा शैली की विशेषता है। ठुमरी की संरचना एवं प्रस्तुति अत्यंत गीतात्मक है। ये रूप "अर्ध" या तंग शास्त्रीय हैं। ठुमरी एक प्रेम गीत है, इसलिए पाठ्य सौंदर्य आवश्यक है। ठुमरी का संगीत प्रस्तुति के साथ गहरा समन्वय है।
- **कथन II सही है:** ठुमरी संगीत को मन की मनोदशा को देखते हुए विभिन्न रागों में सेट किया जाता है। इसके मिजाज को ध्यान में रखते हुए, ठुमरी को आमतौर पर कफी, खमाज, भैरवी आदि जैसे रागों पर सेट किया जाता है और संगीत व्याकरण का सख्ती से पालन नहीं किया जाता है।

प्रश्न 67: निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. तिल्लाना को आमतौर पर कर्नाटक शास्त्रीय संगीत समारोहों में एक परिचयात्मक टुकड़े के रूप में जगह मिलती है।

2. हिंदुस्तानी संगीत का "ख्याल" कर्नाटक संगीत के "पल्लवी" का प्रतिलोम है।

3. तानम राग अलापना की एक शाखा है, जो संगीत के लयबद्ध प्रवाह को दर्शाती है।

नीचे दिए गए कोड का उपयोग करके उत्तर चुनिए।

(a) केवल 1 और 3

(b) केवल 2

(c) केवल 3

(d) 1, 2 और 3

उत्तर: (c)

व्याख्या:

- **कथन 1 गलत है:** तिल्लाना संगीत का एक लयबद्ध टुकड़ा है जो आम तौर पर कर्नाटक शास्त्रीय संगीत समारोह के अंत में प्रस्तुत किया जाता है।
- **कथन 2 गलत है:** ख्याल और पल्लवी दोनों अपनी संबंधित संगीत परंपराओं के केंद्रीय तत्व हैं, और वे विरोधाभासी नहीं हैं। ख्याल हिंदुस्तानी संगीत में स्वर सुधार का एक रूप है, जबकि पल्लवी कर्नाटक संगीत में विस्तारित राग अलापना का एक रूप है।

- **कथन 3 सही है:** तनम राग अलापना की एक शाखा है जो राग के लयबद्ध पहलुओं पर केंद्रित है। यह आम तौर पर तेज़ गति से किया जाता है और इसमें जटिल लयबद्ध पैटर्न का उपयोग शामिल होता है।

प्रश्न 68: हाल ही में कोंडावीडु किला खबरों में था। निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए और गलत विकल्प चुनिए:

(a) इसका निर्माण रेड्डी राजवंश द्वारा किया गया था।

(b) यह रेड्डी राजवंश की राजधानी थी।

(c) यह कावेरी नदी के दक्षिण में स्थित था।

(d) इस पर विजयनगर सम्राट और ब्रिटिशों का नियंत्रण रहा है।

उत्तर: (c)

व्याख्या:

- हाल ही में आंध्र प्रदेश के वन विभाग ने एनजीओ को कोंडावीडु किले में एक गैलरी स्थापित करने की अनुमति दी है।
- इसका निर्माण रेड्डी राजवंश के संस्थापक प्रोलया वेमा रेड्डी ने करवाया था।
- यह गुंटूर के निकट कृष्णा नदी के दक्षिण में स्थित है। **अतः विकल्प (c) ग़लत है।**
- इसकी रणनीतिक स्थिति के कारण इस पर विजयनगर सम्राट, ब्रिटिश आदि का नियंत्रण रहा है।
- रेड्डी राजवंश (1325-1448 ई.) ने तटीय आंध्र (उत्तर में विशाखापत्तनम से दक्षिण में कांचीपुरम तक) को नियंत्रित किया।
- राजधानी कोंडावीडु किला थी (पहले राजधानी अडांकी में थी)।

प्रश्न 69: हाल ही में सेंट फिलोमेना कैथेड्रल खबरों में था। निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. इसे नव-गॉथिक शैली में बनाया गया था।
2. नव-गॉथिक संरचनाएँ गॉथिक संरचनाओं की तुलना में आकार में बड़ी होती हैं।
3. गॉथिक वास्तुकला नुकीले मेहराबों, धारीदार मेहराबों और विशाल खिड़कियों के उपयोग से अलग है।
4. छत्रपति शिवाजी टर्मिनस और विक्टोरिया मेमोरियल भारत में गॉथिक वास्तुकला की भव्यता का उदाहरण देते हैं।

ऊपर दिए गए कथनों में से कितने सही हैं?

a) केवल एक

b) केवल दो

c) केवल तीन

d) सभी चार

उत्तर: (d)

व्याख्या:

- मैसूरु (कर्नाटक) में सेंट फिलोमेना कैथेड्रल संरक्षण चुनौतियों का सामना कर रहा है।
- **कथन 1 सही है:** वर्ष 1840 में नव-गॉथिक शैली में निर्मित, इसे मैसूर के शासक महाराजा कृष्णराज वोडेयार चतुर्थ (1894-1940) के शासनकाल में लोकप्रियता मिली।
- नव-गॉथिक वास्तुकला
  - इसकी उत्पत्ति 18वीं शताब्दी में इंग्लैंड में हुई थी।
  - **कथन 2 सही है:** नव-गॉथिक संरचनाएँ गॉथिक संरचनाओं की तुलना में आकार में बड़ी होती हैं।
- गोथिक वास्तुशिल्प
  - 12वीं सदी के मध्य से 16वीं सदी के बीच यूरोप में प्रचलित।
  - **कथन 3 सही है:** इसकी विशेषता नुकीले मेहराब, रिब्ड वॉल्ट, सना हुआ ग्लास वाली बड़ी खिड़कियां आदि हैं।
  - **कथन 4 सही है:** गॉथिक वास्तुकला के उदाहरण में छत्रपति शिवाजी टर्मिनस, मुंबई; विक्टोरिया पब्लिक हॉल और पार्क टाउन, चेन्नई; कोलकाता में विक्टोरिया मेमोरियल; मैसूर पैलेस शामिल हैं।

प्रश्न 70: सेनिया परंपरा है:

a) संगीत परंपरा जिसने अकबर के दरबार के प्रसिद्ध संगीतकार तानसेन के नाम का आह्वान किया।

b) अमीर खुसरो इस परंपरा से जुड़े थे।

c) पूर्वी उत्तर प्रदेश और छत्तीसगढ़ की सीमा पर रहने वाली जनजातियों की दावत अनुष्ठान।

d) एक संगीत परंपरा जिसका मुगल सेना से जन्म हुआ।

उत्तर: (a)

व्याख्या:

- “सेनिया” शब्द तानसेन से संबंधित है, जो भारतीय शास्त्रीय संगीत के जनक हैं। "घराना" शब्द संगीत की एक शैली को दर्शाता है। **तो, विकल्प (a) सही है।**
- तानसेन के संगीत विद्यालय को व्यापक रूप से "सेनिया घराना" (यानी, "सेनिया" संगीत विद्यालय) के अनुयायियों के रूप में जाना जाता है।
- तानसेन एक गायक थे, लेकिन इस परंपरा ने महान सितारवादक भी पैदा किए हैं।
- सितार वादन की "सेनिया" शैली की शुरुआत सितार के महान गुरु तानसेन परिवार के उस्ताद मसीत सेन से हुई। उस्ताद मसीत सेन "मसीतखानी" शैली के प्रवर्तक हैं।

प्रश्न 71: डस्कथिया का एक रूप है:

(a) ओडिशा में प्रचलित गाथा गायन।

(b) राजस्थान में लोकप्रिय कठपुतली।

(c) नीलगिरी में प्रचलित जनजातीय लघु चित्रकला।

(d) मणिपुरी स्वदेशी आबादी का लोक नृत्य।

उत्तर: (a)

व्याख्या:

- ओडिशा के लिए विशिष्ट कला रूप, डस्कथिया आमतौर पर दो पुरुषों, गायक और उसके सहायक द्वारा प्रस्तुत किया जाता है और यह पाल की तुलना में सरल है। **तो, विकल्प (a) सही है।**
- डस्कथिया एक नाम है जो "काठी" या "राम ताली" नामक एक अद्वितीय संगीत वाद्ययंत्र से लिया गया है, जो प्रस्तुति के दौरान उपयोग किए जाने वाले लकड़ी के ताली हैं।
- यह प्रदर्शन भक्त "दास" की ओर से पूजा और भेंट के रूप में होता है।

प्रश्न 72: निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

कथन I: मांड राजस्थान राज्य का लोक संगीत है।

कथन II: गाने आम तौर पर पास के कुएं से पानी लाने वाली महिलाओं के बारे में होते हैं।

उर्पयुक्त कथनों के संबंध में निम्नलिखित में से कौन सा सही है?

(a) कथन-I और कथन-II दोनों सही हैं और कथन-II कथन-I की सही व्याख्या है।

(b) कथन-I और कथन-II दोनों सही हैं और कथन-II कथन-I की सही व्याख्या नहीं है।

(c) कथन-I सही है और कथन-II गलत है।

(d) कथन-I गलत है और कथन-II सही है।

उत्तर: (c)

व्याख्या:

- **कथन I सही है:** मांड राजस्थान राज्य का एक लोक संगीत है। ऐसा कहा जाता है कि इसका विकास शाही दरबारों में हुआ था और इसे शास्त्रीय मंडलियों में भी मान्यता प्राप्त है।
- **कथन II गलत है:** इसे न तो पूर्ण राग के रूप में स्वीकार किया जाता है और न ही इसे स्वतंत्र रूप से प्रस्तुत लोक गीतों में गिना जाता है। गीत आम तौर पर राजपूत शासकों की महिमा गाने वाले भाटों के बारे में होते हैं।

प्रश्न 73: हाल ही में मतुआ समुदाय खबरों में था। निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. श्री शंकर देव ने मतुआ संप्रदाय की स्थापना की।

2. विभाजन के दौरान और बांग्लादेश के निर्माण के बाद यह समुदाय भारत आ गया।

3. उन्हें कुलीन ब्राह्मण का दर्जा दिया गया।

ऊपर दिए गए कथनों में से कितने सही हैं?

a) केवल एक

b) केवल दो

c) सभी तीन

d) कोई भी नहीं

उत्तर: (a)

KHAN GLOBAL STUDIES
Most Trusted Learning Platform
KHAN SIR

व्याख्या:

- **कथन 1 गलत है:** हाल ही में प्रधानमंत्री ने लोगों से पश्चिम बंगाल में मतुआ महामेले में जाने का आग्रह किया है। मेला श्री हरिचंद ठाकुर (1812-1878) की जयंती पर आयोजित किया जाता है, जो मतुआ नामक वैष्णव हिंदू धर्म के संप्रदाय के संस्थापक थे।
- उन्होंने बंगाली में दोहे लिखे और सामुदायिक सशक्तिकरण के प्राथमिक तरीकों के रूप में शिक्षा और मजबूत संगठन पर जोर दिया।
- वे वर्गहीन, जातिविहीन समाज की स्थापना करना चाहते थे।
- **कथन 2 सही है:** मतुआ विभाजन के दौरान और बांग्लादेश के निर्माण के बाद भारत चले आए।
- **कथन 3 गलत है:** मतुआ नामशूद्र हैं, एक अनुसूचित जाति समूह जिसे 19वीं ई.पू. के दौरान अछूत माना जाता था।

प्रश्न 74: हाल ही में कट्टुनायकन जनजाति खबरों में थी। निम्नलिखित कथन पर विचार कीजिए:

1. ऑस्कर विजेता डॉक्यूमेंट्री "एलिफेंट व्हिस्परर्स" की मुख्य भूमिका इसी जनजाति की है।
2. यह जनजाति भारत में विशेष रूप से कमजोर जनजातीय समूहों (पीवीटीजी) की श्रेणी में आती है।
3. यह जनजाति छत्तीसगढ़ और मध्य प्रदेश में स्थित है।

ऊपर दिए गए कथनों में से कितने सही हैं?

a) केवल एक

b) केवल दो

c) सभी तीन

d) कोई भी नहीं

उत्तर: (b)

व्याख्या:

- कार्तिकी गोंजाल्विस द्वारा निर्देशित और गुनीत मोंगा द्वारा निर्मित 'एलिफेंट व्हिस्परर्स' ने 95वें अकादमी पुरस्कार में सर्वश्रेष्ठ वृत्तचित्र लघु फिल्म का पुरस्कार जीता। इस श्रेणी में ऑस्कर जीतने वाली यह पहली भारतीय फिल्म है।

- **कथन 1 सही है:** डॉक्यूमेंट्री एलिफेंट व्हिस्परर्स को ऑस्कर पुरस्कार कट्टुनायकन जनजाति की संरक्षण विरासत के लिए एक श्रद्धांजलि है।
- **कथन 2 सही है:** वे भारत के 75 विशेष रूप से कमजोर जनजातीय समूहों (पीवीटीजी) में से एक हैं।
- **कथन 3 गलत है:** तमिलनाडु और केरल (नीलगिरी और आसपास के क्षेत्र) के कुछ हिस्सों में पाया जाता है।
- उनकी भाषा सभी द्रविड़ भाषाओं का मिश्रण है।
- धार्मिक प्रथाएं उनकी संस्कृति में दृढ़ता से निहित हैं और जानवरों, पक्षियों, पेड़ों, चट्टानों और सांपों और लगभग सभी प्राकृतिक चीजों की पूजा करते हैं।

प्रश्न 75: निम्नलिखित जोड़ियों पर विचार कीजिए:

संगीत की उत्पत्ति	**राज्य का नाम**
1. नातुपुरा पातु	कर्नाटक
2. डोल्लू कुनिता	तमिलनाडु
3. सोहर	बिहार

उपरोक्त में से कितने जोड़े सही हैं?

(a) केवल एक

(b) केवल दो

(c) सभी तीन

(d) कोई भी नहीं

उत्तर: (a)

व्याख्या:

- **जोड़ी 1 गलत है:** नातुपुरा पातु लोक संगीत का एक रूप है जिसे तमिलनाडु में त्योहारों और समारोहों के दौरान गाया और नृत्य किया जाता है। नातुपुरा पातु गीत आम तौर पर महिलाओं द्वारा गाए जाते हैं और देवी-देवताओं की स्तुति करने, फसल का जश्न मनाने और समुदाय में अन्य महत्वपूर्ण घटनाओं को चिह्नित करने के लिए उपयोग किए जाते हैं।

- **जोड़ी 2 गलत है:** डोल्लू कुनिथा एक लोकप्रिय लोक-नृत्य है जो उत्तरी कर्नाटक के कुरुबा गौड़ा समुदाय द्वारा किया जाता है। डोल्लू कुनिथा एक उच्च ऊर्जा वाला नृत्य है जो ड्रम और अन्य पारंपरिक वाद्ययंत्रों की ताल पर किया जाता है।
- **जोड़ी 3 सही है:** सोहर लोक संगीत का एक रूप है जो बच्चे के जन्म के दौरान गाया जाता है और यह मगधी भाषा (जो बिहार में बोली जाती है) से जुड़ा है।

प्रश्न 76: निम्नलिखित पर विचार कीजिए:

1. नाट्यशास्त्र

2. अभिनय दर्पण

3. सिवका चिंतामणि

उपर्युक्त साहित्य में से कौन भरतनाट्यम नृत्य के स्रोत हैं?

(a) 1 और 2

(b) 2 और 3

(c) 1 और 3

(d) 1, 2 और 3

उत्तर: (a)

व्याख्या:

- **विकल्प 1 सही है:** भरतनाट्यम नृत्य की उत्पत्ति का पता ऋषि भरत मुनि के नाट्यशास्त्र से लगाया जा सकता है।
- **विकल्प 2 सही है:** अभिनय दर्पण चौथी-पांचवीं शताब्दी ईसा पूर्व के आसपास नंदिकेश्वर द्वारा लिखा गया था। अभिनय दर्पण मुख्य स्रोत है जो भरतनाट्यम नृत्य में शरीर की गति की तकनीक और व्याकरण के अध्ययन में मदद करता है।
- **विकल्प 3 गलत है:** सिलप्पादिकारम और मणिमेकलाई जैसी संगम कृतियों में भी भरतनाट्यम नृत्य के अंश हैं।

प्रश्न 77: निम्नलिखित पर विचार कीजिए:

1. मृदंगम

2. वायलिन

3. झांझ

उपर्युक्त में से कौन सा संगीत वाद्ययंत्र कुचिपुड़ी नृत्य का हिस्सा है?

(a) 1 और 2

(b) 2 और 3

(c) 1 और 3

(d) 1, 2 और 3

उत्तर: (d)

व्याख्या:

कुचिपुड़ी नृत्य कर्नाटक संगीत के शास्त्रीय स्कूल के साथ जुड़ा हुआ है।

गायक के अलावा संगत संगीतकार भी हैं।

- **कथन 1 सही है:** मृदंगम वादक एक ताल संगीत प्रदान करने के लिए होता है।
- **कथन 2 सही है:** वायलिन या वीणा वादक या दोनों वाद्य मधुर संगीत प्रदान करने के लिए होता है।
- **कथन 3 सही है:** एक झांझ वादक जो आम तौर पर ऑर्केस्ट्रा का संचालन करता है और सोलूकट्टस (स्मारक लय शब्दांश) का पाठ करता है।

प्रश्न 78: निम्नलिखित युग्मों पर विचार कीजिए:

महोत्सव	**राज्य**
1. सियांग उनींग महोत्सव	अरुणाचल प्रदेश
2. चेइराओबा त्यौहार	मणिपुर
3. हॉर्नबिल महोत्सव	नागालैंड

उपर्युक्त में से कितने युग्म सही हैं?

(a) केवल एक

(b) केवल दो

(c) सभी तीन

(d) कोई नहीं

उत्तर: (c)

व्याख्या:

- **युग्म 1 सही है:** सियांग उनयिंग महोत्सव आदि समुदाय का एक महत्वपूर्ण त्योहार है जो अरुणाचल प्रदेश के बोलेंग में मनाया जाता था। यह आदि समुदाय के नए साल की शुरुआत यानी वसंत ऋतु के आगमन के उपलक्ष्य में मनाया जाता है; और समुदाय के बीच बंधन को मजबूत करना है।
- **युग्म 2 सही है:** मणिपुर में चेइराओबा त्योहार अप्रैल के महीने में मनाया जाता है, अनुष्ठान के एक हिस्से में ग्रामीणों को निकटतम पहाड़ी की चोटियों पर इस विश्वास के साथ चढ़ना शामिल है कि यह उन्हें अपने सांसारिक जीवन में अधिक ऊंचाइयों तक पहुंचने में सक्षम करेगा।
- **युग्म 3 सही है:** हॉर्नबिल महोत्सव नागालैंड राज्य सरकार द्वारा आयोजित किया जाता है। इसकी शुरुआत वर्ष 2000 में हुई थी और अब यह हर साल 1 दिसंबर से आयोजित किया जाता है। हॉर्नबिल महोत्सव आम तौर पर 1 दिसंबर से शुरू होकर 10 दिनों तक मनाया जाता है।

प्रश्न 79: हाल ही में चराइदेव मैदाम्स या मोइदम्स खबरों में था। निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. ये मिट्टी के टीले अहोम राजवंश के सम्मानित शासकों के लिए राजसी मकबरे के रूप में काम करते हैं।

2. चांगरुंग फुकन इसके बारे में विस्तृत जानकारी प्रदान करता है।

3. ये मेहराबदार कक्ष प्राय: दोमंजिला होते हैं।

4. टीले की नींव को बहुभुजीय टो-दीवार द्वारा मजबूत किया गया है जो इसकी स्थिरता को बढ़ाता है।

उपर्युक्त कथनों में से कितने सही है/हैं?

(a) केवल एक

(b) केवल दो

(c) केवल तीन

(d) सभी चार

उत्तर: (d)

व्याख्या:

- भारत सरकार ने वर्ष 2023 के लिए यूनेस्को विश्व धरोहर केंद्र के लिए असम के चराइदेव मैदान या मोइदम (अहोम दफन टीले) को नामांकित करने का निर्णय लिया है।
- **कथन 1 सही है:** चराइदेव मैदाम अहोम राजवंश के राजपरिवार के अवशेषों से युक्त टीले हैं। टीले पटकाई पर्वत श्रृंखला की तलहटी में स्थित हैं। इन्हें आमतौर पर असम के पिरामिड के रूप में जाना जाता है।
- **कथन 2 सही है:** चांगरुंग फुकन (अहोमों द्वारा विकसित विहित पाठ) मैदाम के विभिन्न पहलुओं के बारे में विवरण प्रदान करता है।
- **कथन 3 सही है:** वे गुंबददार कक्ष हैं। वे प्रायः दो मंजिला होते हैं। शीर्ष पर ईंटों और मिट्टी की अर्धगोलाकार मिट्टी-टीले की परतें बिछाई गई हैं।
- **कथन 4 सही है:** टीले का आधार एक बहुभुज पैर की दीवार और पश्चिम में एक धनुषाकार प्रवेश द्वार द्वारा मजबूत किया गया है। प्रत्येक गुंबददार कक्ष में एक केंद्रीय रूप से उठा हुआ मंच है जहां शव को रखा जाता था।

प्रश्न 80: मोहिनीअट्टम के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

कथन I: यह आम तौर पर विष्णु के स्त्री नृत्य की कहानी बताता है।

कथन II: इस नृत्य शैली में नृत्य का लास्य पहलू प्रमुख है।

उपर्युक्त कथनों के संबंध में निम्नलिखित में से कौन सा सही है?

(a) कथन-I और कथन-II दोनों सही हैं और कथन-II कथन-I की सही व्याख्या है।

(b) कथन-I और कथन-II दोनों सही हैं और कथन-II कथन-I की सही व्याख्या नहीं है।

(c) कथन-I सही है और कथन-II गलत है।

(d) कथन-I गलत है और कथन-II सही है।

उत्तर: (b)

व्याख्या:

- मोहिनीअट्टम कथकली की शक्ति के साथ भरतनाट्यम की कृपा और लालित्य को जोड़ता है। कदमों की थपथपाहट का स्पष्ट अभाव है, और कदमों की आवाज़ धीमी है।
- **कथन I सही है:** मोहिनीअट्टम आम तौर पर विष्णु के स्त्री नृत्य की कहानी बताता है। अन्य शास्त्रीय नृत्यों की तरह इसका अपना नृत्य और नृत्य पहलू है।
- **कथन II सही है:** मोहिनीअट्टम गायन में नृत्य का लास्य पहलू (सौंदर्य, अनुग्रह) प्रमुख है। इसलिए, यह मुख्य रूप से महिला नर्तकियों द्वारा प्रस्तुत किया जाता है।

प्रश्न 81: निम्नलिखित युग्मों पर विचार कीजिए:

नृत्य		**राज्य**
1. सरायकेला छऊ	-	असम
2. मयूरभंज छऊ	-	उड़ीसा
3. पुरुलिया छऊ	-	पश्चिम बंगाल

उपर्युक्त में से कितने युग्म सही हैं?

(a) केवल एक

(b) केवल दो

(c) सभी तीन

(d) कोई भी नहीं

उत्तर: (b)

व्याख्या:

- छऊ की उत्पत्ति 'छाया' से हुई है जिसका अर्थ है छाया। यह मुखौटा नृत्य का एक रूप है जो पौराणिक कहानियों को बताने के लिए कठोर युद्ध संबंधी आंदोलनों का उपयोग करता है।

- कुछ आख्यानों में सर्प नृत्य (सर्प नृत्य) या मयूर नृत्य (मोर नृत्य) जैसे प्राकृतिक विषयों का भी उपयोग किया जाता है।
- छऊ नृत्य की तीन मुख्य शैलियाँ हैं:

  1. झारखंड में सरायकेला छऊ। **इसलिए, युग्म (1) गलत है**

  2. ओडिशा में मयूरभंज छऊ। **इसलिए, युग्म (2) सही है**

  3. पश्चिम बंगाल में पुरुलिया छऊ। **इसलिए, युग्म (3) सही है**

- इनमें से मयूरभंज छऊ कलाकार मास्क नहीं पहनते हैं।
- वर्ष 2010 में यूनेस्को ने छऊ को मानवता की अमूर्त सांस्कृतिक विरासत की प्रतिनिधि सूची में शामिल किया।

प्रश्न 82: स्तूप के संबंध में निम्नलिखित युग्मों पर विचार कीजिए:

स्थापत्य विशेषताएँ		**निर्दिष्ट तत्व**
1. अण्ड	:	अर्धगोलाकार टीला
2. हर्मिका	:	त्रि-छत्र रूप को सहारा देने वाला केंद्रीय स्तंभ
3. तोरण	:	सजाए गए प्रवेश द्वार

उपर्युक्त में से कितने युग्म सही हैं?

(a) केवल एक

(b) केवल दो

(c) सभी तीन

(d) कोई नहीं

उत्तर: (b)

व्याख्या:

- हाल ही में भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण ने नालंदा महाविहार में दो 1200 वर्ष पुराने लघु व्रतानुष्ठित स्तूपों की खोज की।
- बिहार में नालंदा महाविहार के परिसर के भीतर सराय टीला के पास व्रतानुष्ठित स्तूप (मन्नत पूरी होने पर चढ़ाए गए) की खोज की गई थी।

- स्तूप, संस्कृत में ढेर के लिए, एक टीले जैसी (अर्धगोलाकार) दफन संरचना है जिसमें बौद्ध भिक्षुओं के अवशेष हैं।
- स्तूप की स्थापत्य विशेषताएं:
    - **युग्म 1 सही है:** एक अर्धगोलाकार टीला या अंड के आकार का गुंबद
    - **युग्म 2 गलत है:** एक वर्गाकार रेलिंग या हार्मिका
    - बौद्ध धर्म के तीन रत्नों का प्रतिनिधित्व करने वाला केंद्रीय स्तंभ त्रि-छत्र रूप (छत्र) प्रदर्शित करता है।
    - **युग्म 3 सही है:** कार्डिनल दिशाओं में सजाए गए प्रवेश द्वार (तोरण) के साथ संलग्न दीवार।

प्रश्न 83: हाल ही में "थुल्लाल" नृत्य शैली खबरों में थी। निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. यह केरल का एक नृत्य रूप है।

2. संगीत वाद्ययंत्र में मृदंगम और झांझ शामिल हैं।

3. इस नृत्य शैली की विशेषता इसकी सुरुचिपूर्ण सादगी है।

उपर्युक्त कथनों में से कितने सही है/हैं?

a) केवल एक

b) केवल दो

c) सभी तीन

d) कोई भी नहीं

उत्तर: (c)

व्याख्या:

- **कथन 1 सही है:** ओट्टनथुलल (या थुल्लाल) केरल का एक वाचन-और-नृत्य कला-रूप है जो अपने हास्य और सामाजिक व्यंग्य के लिए प्रसिद्ध है।
- इसकी शुरुआत 18वीं शताब्दी में प्रसिद्ध कवि कुंचन नांबियार ने की थी।
- **कथन 3 सही है:** यह कथकली और कूडियाट्टम जैसे अधिक जटिल नृत्य-रूपों के विपरीत अपनी सादगी से चिह्नित है।
- **कथन 2 सही है:** थुल्लल कलाकार को एक गायक द्वारा प्रस्तुत किया जाता है जो छंदों को दोहराता है और उसके साथ मृदंगम या थोप्पिमदालम (टक्कर) और झांझ का एक बाजा होता है।

- इसके तीन अलग-अलग संस्करण सामने आए हैं जिनमें ओट्टनथुलल, सीतांकन तुल्लल और पारायण तुल्लल शामिल हैं।

प्रश्न 84: पद्म पुरस्कारों के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. पुरस्कार का मतलब कोई उपाधि नहीं है।

2. एक वर्ष में दिये जाने वाले पुरस्कारों की कुल संख्या 120 से अधिक नहीं होनी चाहिए।

3. कोई नकद पुरस्कार नहीं है।

4. पुरस्कार आम तौर पर मरणोपरांत प्रदान नहीं किया जाता है, लेकिन अपवादों पर विचार किया जाता है।

उपर्युक्त कथनों में से कितने सही हैं/हैं?

a) केवल एक

b) केवल दो

c) केवल तीन

d) सभी चार

उत्तर: (d)

व्याख्या:

- **कथन 1 सही है:** पद्म पुरस्कार भारत के सर्वोच्च नागरिक सम्मानों में से एक हैं। इसकी स्थापना 1954 में की गई थी, 1978 और 1979 और 1993 से 1997 के दौरान संक्षिप्त रुकावटों को छोड़कर हर साल गणतंत्र दिवस के अवसर पर इसकी घोषणा की जाती है। पुरस्कार एक उपाधि के बराबर नहीं होता है और इसे प्रत्यय या उपसर्ग के रूप में उपयोग नहीं किया जा सकता है।
- **कथन 2 सही है:** एक वर्ष में दिए जाने वाले पुरस्कारों की कुल संख्या (मरणोपरांत पुरस्कारों और एनआरआई/विदेशियों/ओसीआई को छोड़कर) 120 से अधिक नहीं होनी चाहिए।
- **कथन 3 सही है:** पुरस्कार विजेताओं को राष्ट्रपति द्वारा हस्ताक्षरित एक सनद (प्रमाण पत्र) और एक पदक प्रदान किया जाता है। कोई नकद पुरस्कार नहीं है.
- **कथन 4 सही है:** पुरस्कार आमतौर पर मरणोपरांत प्रदान नहीं किया जाता है (अत्यधिक सुपात्र मामलों को छोड़कर)।

- पद्म पुरस्कार की उच्च श्रेणी केवल तभी प्रदान की जा सकती है, जहाँ पहले पद्म पुरस्कार प्रदान किए जाने के बाद से कम से कम पांच वर्ष (अपवाद किया जा सकता है) की अवधि बीत चुकी हो।

प्रश्न 85: कौन सा राज्य विशेष प्रकार के चमड़े के जूते (जिन्हें मोजाडिस कहा जाता है) के लिए प्रसिद्ध है?

(a) राजस्थान

(b) गुजरात

(c) महाराष्ट्र

(d) जम्मू और कश्मीर

उत्तर: (a)

व्याख्या:

- वर्तमान में, चमड़े का उपयोग ज्यादातर जूते, बैग और बटुए बनाने के लिए किया जाता है।
- चमड़े का सबसे बड़ा बाज़ार राजस्थान में है जहाँ ऊँट का चमड़ा विभिन्न आकृतियों और आकारों के बैग बनाने के लिए जारी किया जाता है।
- इनके अलावा, जयपुर और जोधपुर मोजड़ी के लिए प्रसिद्ध हैं, जो विशिष्ट प्रकार के चमड़े के जूते हैं। **इसलिए, विकल्प (a) सही है।**
- उत्तर प्रदेश का एक अन्य प्रमुख केंद्र कानपुर है जिसकी अर्थव्यवस्था बड़े स्तर पर चमड़े और टैन्ड उत्पादों पर आधारित है।
- महाराष्ट्र अपनी कोल्हापुरी चप्पलों के लिए भी प्रसिद्ध है।

प्रश्न 86: कठपुतली का सबसे पुराना लिखित संदर्भ कहाँ मिलता है?

(a) नाट्यशास्त्र

(b) सिलप्पदिकारम

(c) साम वेद

(d) शकुंतलम

उत्तर: (b)

व्याख्या:

- भारत में कठपुतली कला लंबे समय से शिक्षा और मनोरंजन दोनों उद्देश्यों के लिए रुचिकर रही है। हड़प्पा और मोहन-जो-दारो के उत्खनन स्थलों से कठपुतलियाँ मिली हैं जिनमें कुर्सियाँ जुड़ी हुई हैं जो एक कला के रूप में कठपुतली की उपस्थिति का संकेत देती हैं।
- कठपुतली का सबसे पुराना लिखित संदर्भ पहली और दूसरी शताब्दी ईसा पूर्व के आसपास लिखे गए तमिल उत्कृष्ट कृति सिलप्पदिकारम में पाया गया है। **इसलिए, विकल्प (b) सही है।**
- हालाँकि कठपुतली का उल्लेख पौराणिक कथाओं और कला में मिलता है लेकिन समर्पित दर्शकों की कमी और वित्तीय असुरक्षा के कारण इस कला में लगातार गिरावट आ रही है।

प्रश्न 87: डोरी कठपुतलियों की विशेषताओं के संबंध में निम्नलिखित कथन पर विचार कीजिए:

1. इसे अक्सर कठपुतली के नाम से जाना जाता है।

2. ऑयल पेंट का उपयोग नहीं किया जाता है।

3. डोरी वाली कठपुतलियाँ आमतौर पर लकड़ी की बनी होती हैं।

नीचे दिए गए कोड में से सही विकल्प चुनिए:

(a) 1 और 2

(b) 2 और 3

(c) 1 और 3

(d) 1, 2 और 3

उत्तर: (c)

व्याख्या:

- **कथन 1 सही है:** डोरी कठपुतलियाँ, जिन्हें अक्सर कठपुतली के रूप में जाना जाता है, की भारतीय संस्कृति में एक महत्वपूर्ण भूमिका है। डोरी कठपुतलियों में निम्नलिखित विशेषताएं हैं:
  - **कथन 3 सही है:** स्ट्रिंग कठपुतलियाँ आमतौर पर लकड़ी से बनी होती हैं और आठ से नौ इंच लंबी होती हैं।
  - **कथन 2 गलत है:** ऑयल पेंट का उपयोग लकड़ी को रंगने और चेहरे की अतिरिक्त विशेषताओं जैसे आंखें, मुंह, नाक और अन्य चेहरे की विशेषताओं को जोड़ने के लिए किया जाता है।
  - लकड़ी के छोटे-छोटे पाइपों को शरीर से जोड़कर अंगों का निर्माण किया जाता है। फिर शरीर को सिल दिया जाता है और एक रंगीन छोटे कपड़े से लपेट दिया जाता है।

प्रश्न 88: निम्नलिखित में से कौन सा सुमेलित नहीं है?

(a) कुंडहेई - छड़ी कठपुतली

(b) कठपुतली - डोरी कठपुतली

(c) रावणछाया - छाया कठपुतली

(d) पावाकुथु - दस्ताना कठपुतली

उत्तर: (a)

व्याख्या:

राज्य	**कठपुतली प्रदर्शन का नाम**	**कठपुतली के प्रकार**
आंध्र प्रदेश	थोलू बोम्मालता	छाया कठपुतली
आंध्र प्रदेश	कोय्या बोम्मालता	डोरी कठपुतली
कर्नाटक	गोम्बेयट्टा	छाया कठपुतली
कर्नाटक	तोगलु गोम्बेयट्टा	डोरी कठपुतली
उड़ीसा	रावणछाया	छाया कठपुतली
उड़ीसा	कुंडहेई	डोरी कठपुतली, **(अतः, (a) गलत सुमेलित है।)**
केरल	पावाकुथु	दस्ताना कठपुतली

KHAN GLOBAL STUDIES
Most Trusted Learning Platform
KHAN SIR

प्रश्न 89: यमपुरी एक है:

(a) मार्शल आर्ट

(b) कठपुतली रूप

(c) लोक नृत्य

(d) लोक संगीत

उत्तर: (b)

व्याख्या:

- बिहार की पारंपरिक छड़ी कठपुतली को यमपुरी के नाम से जाना जाता है। ये कठपुतलियाँ लकड़ी की बनी होती हैं। **इसलिए, विकल्प (a) सही है।**
- पश्चिम बंगाल और उड़ीसा की पारंपरिक छड़ी कठपुतलियों के विपरीत, ये कठपुतलियाँ एक टुकड़े में होती हैं और इनमें कोई जोड़ नहीं होता है।
- चूंकि इन कठपुतलियों में कोई जोड़ नहीं होता, इसलिए हेरफेर अन्य छड़ी कठपुतलियों से अलग होता है और इसके लिए अधिक निपुणता की आवश्यकता होती है।

प्रश्न 90: निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. ग्रेट बंगाल सर्कस की स्थापना 1887 में प्रियनाथ बोस ने की थी।

2. ग्रेट इंडियन सर्कस की स्थापना बाबूराव कदम ने की थी।

नीचे दिए गए कोड में से सही विकल्प चुनिए:

(a) केवल 1

(b) केवल 2

(c) 1 और 2

(d) कोई भी नहीं

उत्तर: (a)

KHAN GLOBAL STUDIES
Most Trusted Learning Platform
KHAN SIR

व्याख्या:

- ग्यूसेप चिआरिनी के रॉयल इटालियन सर्कस ने वर्ष 1879 में भारत का दौरा किया।
- **कथन 2 गलत है:** चिआरिनी ने सर्कस के अधिकांश उपकरण विष्णुपंत छत्रे को बेच दिए। उन्होंने एक वर्ष के भीतर ही एक नई सर्कस कंपनी ग्रेट इंडियन सर्कस की स्थापना की। यह भारत की पहली सर्कस कंपनी है। विष्णुपंत छत्रे को भारतीय सर्कस का जनक कहा जाता है।
- **कथन 1 सही है:** ग्रेट बंगाल सर्कस का गठन 1887 में बंगाल के प्रियनाथ बोस द्वारा किया गया था, और इसने बंगाल, भारत और दक्षिण पूर्व एशिया का दौरा किया।

प्रश्न 91: दादा साहेब फाल्के पुरस्कार के बारे में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. यह साहित्य अकादमी द्वारा पुरस्कार प्रदान किया जाता है।

2. यह सिनेमा में भारत का सर्वोच्च पुरस्कार है।

नीचे दिए गए कोड में से सही विकल्प चुनिए:

(a) केवल 1

(b) केवल 2

(c) 1 और 2

(d) कोई भी नहीं

उत्तर: (b)

व्याख्या:

- **कथन 2 सही है:** वर्ष 1969 में शुरू किया गया। दादा साहेब फाल्के पुरस्कार, दादा साहेब फाल्के (1870-1944) की स्मृति में सिनेमा में भारत का सर्वोच्च पुरस्कार है, जो महान फिल्म निर्माता थे, जिन्होंने भारत की पहली पूर्ण लंबाई वाली फीचर फिल्म, राजा हरिश्चंद्र (1913) बनाई थी।
- **कथन 1 गलत है:** यह फिल्म महोत्सव निदेशालय द्वारा प्रदान किया जाता है, जो सूचना और प्रसारण मंत्रालय द्वारा स्थापित एक संगठन है।

- यह भारतीय सिनेमा की वृद्धि और विकास में उत्कृष्ट योगदान के लिए दिया जाता है और इसका चयन भारतीय फिल्म उद्योग की प्रतिष्ठित हस्तियों वाली एक समिति द्वारा किया जाता है।

प्रश्न 92: नागार्जुन के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. वह आधार धातुओं को सोने में बदलने में माहिर थे।

2. उन्होंने रसरत्नाकर नामक ग्रंथ लिखा।

3. उन्होंने उत्तरतंत्र भी लिखा, जो औषधीय औषधियों की तैयारी से संबंधित है।

निम्नलिखित विकल्पों में से चुनिए.

(a) 1 और 2

(b) 2 और 3

(c) 1 और 3

(d) 1, 2 और 3

उत्तर: (d)

व्याख्या:

- **कथन 1 सही है:** प्राचीन काल के प्रसिद्ध कीमियागरों में से एक नागार्जुन थे। वह आधार धातुओं को सोने में बदलने में माहिर थे। 931 ईस्वी में गुजरात में जन्मे नागार्जुन को लोगों की मान्यताओं के अनुसार आधार धातुओं को सोने में बदलने और "जीवन का अमृत" निकालने की शक्ति प्राप्त थी।
- **कथन 2 सही है:** उन्होंने रसरत्नाकर नामक ग्रंथ लिखा, जो रसायन विज्ञान पर एक पुस्तक है और यह उनके और देवताओं के बीच संवाद के रूप में है। यह ग्रंथ मुख्य रूप से तरल पदार्थ (मुख्य रूप से पारा) की तैयारी से संबंधित है। पुस्तक में धातुकर्म और रसायन विद्या के सर्वेक्षण पर भी जोर दिया गया है। पारे से जीवन का अमृत तैयार करने के लिए, नागार्जुन ने खनिजों और क्षार के अलावा पशु और वनस्पति उत्पादों का उपयोग किया।
- उन्होंने आधार धातुओं के सोने में रूपांतरण पर भी चर्चा की। सोने का उत्पादन नहीं किया जा सका लेकिन यह विधि सोने जैसी पीली चमक वाली धातुओं के उत्पादन में उपयोगी रही है जो नकली आभूषण बनाने में भी मदद करती है।

- **कथन 3 सही है:** नागार्जुन ने उत्तरतंत्र भी लिखा जो सुश्रुत संहिता का पूरक है और औषधीय दवाओं की तैयारी से संबंधित है।
- बाद के वर्षों में जब उनकी रुचि कार्बनिक रसायन विज्ञान और चिकित्सा में स्थानांतरित हुई तो उनके द्वारा चार आयुर्वेदिक ग्रंथ भी लिखे गए।

प्रश्न 93: परी खंडा के बारे में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

कथन I: यह झारखंड की मार्शल आर्ट का एक रूप है।

कथन II: यह छऊ नृत्य का आधार बनता है।

उपर्युक्त कथनों के संबंध में निम्नलिखित में से कौन सा सही है?

(a) कथन-I और कथन-II दोनों सही हैं और कथन-II कथन-I के लिए सही व्याख्या है।

(b) कथन-I और कथन-II दोनों सही हैं और कथन-II, कथन-I के लिए सही व्याख्या नहीं है।

(c) कथन-I सही है और कथन-II गलत है।

(d) कथन-I गलत है और कथन-II सही है।

उत्तर: (d)

व्याख्या:

- **कथन I गलत है:** परी-खंडा: राजपूतों द्वारा बनाई गई परी-खंडा, बिहार की मार्शल आर्ट का एक रूप है। इसमें तलवार और ढाल का उपयोग करके लड़ना शामिल है।
- **कथन II सही है:** छऊ नृत्य अभी भी बिहार के कई हिस्सों में प्रचलित है, इसके चरणों और तकनीकों का व्यापक रूप से उपयोग किया जाता है। वास्तव में यह मार्शल आर्ट छाऊ नृत्य का आधार बनता है जिसमें इसके सभी तत्व समाहित हो जाते हैं।
- इस मार्शल आर्ट का नाम दो शब्दों से मिलकर बना है, 'परी' का अर्थ है ढाल जबकि 'खंडा' का अर्थ तलवार है, इस प्रकार इस कला में तलवार और ढाल दोनों का उपयोग होता है।

प्रश्न 94: निम्नलिखित पर विचार कीजिए:

1. ज्ञान पंचमी

2. पर्युषण

3. उलम्बाना

उपर्युक्त में से कौन-से जैन त्यौहार हैं?

(a) 1 और 2

(b) 2 और 3

(c) 1 और 3

(d) 1, 2 और 3

उत्तर: (a)

व्याख्या:

- **विकल्प 3 गलत है:** उल्लांबना, या भूतों का त्यौहार (घोस्ट फेस्टिवल), सबसे लोकप्रिय बौद्ध त्योहार है। ऐसा माना जाता है कि इस दिन "नरक के द्वार" खोले जाते हैं और मृत आत्माएं अपने प्रियजनों से मिलने जाती हैं।
- इस त्यौहार के दौरान, सौभाग्य और भाग्य लाने के लिए मृतकों की आत्माओं और भूखे भूतों को प्रसाद चढ़ाया जाता है।
- **विकल्प 1 सही है:** ज्ञान पंचमी एक त्योहार है जो जैन ग्रंथों के ज्ञान का जश्न मनाता है। यह चैत्र माह के शुक्ल पक्ष की पंचमी तिथि को मनाया जाता है।
- **विकल्प 2 सही है:** पर्युषण जैन कैलेंडर का सबसे महत्वपूर्ण त्योहार है। यह आठ दिवसीय त्यौहार है जो भाद्रपद माह में मनाया जाता है। पर्युषण आध्यात्मिक चिंतन और पश्चाताप का समय है।

प्रश्न 95: नयाया स्कूल के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. वे तार्किक सोच की तकनीक में विश्वास करते हैं।

2. वहाँ की तकनीकें मनुष्य को अपने मन, शरीर और संवेदी अंगों को नियंत्रित करने में मदद करती हैं।

नीचे दिए गए कोड में से सही विकल्प चुनिए:

(a) केवल 1

(b) केवल 2

(c) 1 और 2

(d) कोई भी नहीं

उत्तर: (a)

व्याख्या:

- **कथन 1 सही है:** भारतीय दर्शन का न्याय स्कूल तर्क और तर्क पर जोर देने के लिए जाना जाता है। उनका मानना है कि तार्किक सोच दुनिया को समझने और मुक्ति प्राप्त करने की कुंजी है।
- **कथन 2 गलत है:** न्याय स्कूल का लक्ष्य मन, शरीर और संवेदी अंगों को नियंत्रित करना नहीं है। इसके बजाय, उनका लक्ष्य वास्तविकता की प्रकृति को समझने और पीड़ा से मुक्ति पाने के लिए तर्क और तर्क का उपयोग करना है।

प्रश्न 96: बुद्ध की शिक्षा के आर्य सत्य के संबंध में निम्नलिखित युग्मों पर विचार कीजिए:

आर्य सत्य		**अर्थ**
1. निरोध	-	दुःख की उत्पत्ति का सत्य
2. मग्गा	-	दुःख निरोध का सत्य
3. समुदय	-	दुख निरोध के मार्ग का सत्य

उपर्युक्त में से कितने युग्म सही हैं?

(a) केवल एक

(b) केवल दो

(c) सभी तीन

(d) कोई भी नहीं

उत्तर: (d)

KHAN GLOBAL STUDIES
Most Trusted Learning Platform
KHAN SIR

व्याख्या:

- बौद्ध धर्म के मूल सिद्धांतों को चार प्रमुख आर्य सत्यों के माध्यम से समझाया गया है। वे हैं-

  1. दुख का सच (दुक्खा)

  2. **युग्म 3 गलत है:** दुख की उत्पत्ति का सत्य (समुदाय)

  3. **युग्म 1 ग़लत है:** दुःख निरोध का सत्य (निरोध)

  4. **युग्म 2 गलत है:** दुख की समाप्ति के मार्ग का सत्य (मग्गा)

प्रश्न 97: अभिधम्म पिटक के बारे में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. यह महायान बौद्ध धर्म का एक धर्मग्रंथ है।

2. इसमें बौद्ध दर्शन समाहित है।

3. इसे पहले संस्कृत में संकलित किया गया और फिर प्राकृत में अनुवाद किया गया।

नीचे दिए गए कोड में से सही विकल्प चुनिए:

(a) केवल 1

(b) केवल 2 और 3

(c) केवल 2

(d) केवल 1 और 2

उत्तर: (c)

व्याख्या:

- **कथन 1 गलत है:** अभिधम्म पिटक थेरवाद बौद्ध धर्म का धर्मग्रंथ है, महायान बौद्ध धर्म का नहीं। महायान बौद्ध धर्म के ग्रंथों का अपना सेट है, जिनमें से सबसे महत्वपूर्ण प्रज्ञापारमिता सूत्र है।
- **कथन 2 सही है:** अभिधम्म पिटक में बौद्ध दर्शन शामिल है। यह ग्रंथों का एक संग्रह है जो बौद्ध धर्म के मनोवैज्ञानिक और दार्शनिक पहलुओं से संबंधित है।

- **कथन 3 गलत है:** अभिधम्म पिटक को पहली बार पाली में संकलित किया गया था, न कि संस्कृत में। पाली एक मध्य इंडो-आर्यन भाषा है जिसका संस्कृत से गहरा संबंध है। यह थेरवाद बौद्ध धर्मग्रंथों की भाषा है।

प्रश्न 98: दिगंबर संप्रदाय के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. दिगंबर ब्रह्मचर्य को छोड़कर सभी मर्यादाओं का पालन करते हैं।

2. महिला भिक्षु जिन्हें आर्यिका के नाम से जाना जाता है, वे बिना सिले सादी सफेद साड़ियां पहनती हैं।

नीचे दिए गए कोड में से सही विकल्प चुनिए:

(a) केवल 1

(b) केवल 2

(c) 1 और 2

(d) कोई भी नहीं

उत्तर: (b)

व्याख्या:

- दिगंबर परंपरा के साधु कपड़े नहीं पहनते क्योंकि यह संप्रदाय पूर्ण नग्नता में विश्वास करता है।
- **कथन 2 सही है:** महिला भिक्षु बिना सिले सादी सफेद साड़ियाँ पहनती हैं और आर्यिका कहलाती हैं।
- **कथन 1 गलत है:** दिगंबर श्वेतांबर के विपरीत, महावीर की शिक्षाओं के अनुसार सभी पांच संयमों (अहिंसा, सत्य, अस्तेय, अपरिग्रह और ब्रह्मचर्य) का पालन करते हैं।
- भद्रबाहु दिगंबर संप्रदाय के प्रतिपादक थे और लंबे अकाल की भविष्यवाणी करने के बाद वह अपने शिष्यों के साथ कर्नाटक चले गए।
- दिगंबर मान्यताओं का सबसे पहला रिकॉर्ड कुंदकुंडा की प्राकृत सुत्तपाहुड़ा में निहित है।

- दिगंबर जैनों का मानना है कि महिलाएं तीर्थंकर नहीं हो सकतीं और मल्ली एक पुरुष था।
- दिगंबर संप्रदाय के अंतर्गत मठवाद के नियम अधिक कठोर हैं।

प्रश्न 99: निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. जैन धर्म का मानना था कि त्रिरत्न और पंचमहाव्रत के पालन से निर्वाण प्राप्त किया जा सकता है।
2. मोक्ष के लिए मठवासी जीवन आवश्यक नहीं है।
3. गृहस्थ लोग अणुव्रत प्रथा का पालन करते थे।

नीचे दिए गए कोड में से सही विकल्प चुनिए:

(a) 1 और 2

(b) 2 और 3

(c) 1 और 3

(d) 1, 2 और 3

उत्तर: (c)

व्याख्या:

- **कथन 1 सही है:** जैन धर्म का मानना था कि मानव जीवन का मुख्य लक्ष्य आत्मा की शुद्धि और निर्वाण (मोक्ष) की प्राप्ति है, जिसका अर्थ है जन्म और मृत्यु से मुक्ति। इसे अनुष्ठानों और बलिदानों के माध्यम से नहीं बल्कि त्रिरत्न और पंचमहाव्रत के पालन से प्राप्त किया जा सकता है।
- **कथन 2 गलत है:** निर्वाण प्राप्त करने के लिए, एक व्यक्ति को अपने कपड़ों सहित सभी बंधनों को त्यागना होगा। केवल उपवास, आत्म-पीड़ा, अध्ययन और ध्यान के लंबे सत्र से ही वह खुद को कर्म से मुक्त कर सकता है। अतः मोक्ष के लिए संन्यासी जीवन आवश्यक है।
- **कथन 3 सही है:** गृहस्थों से अपेक्षा की जाती थी कि वे भिक्षुओं की तुलना में इन गुणों के अभ्यास के हल्के रूप का पालन करें, जिन्हें अणुव्रत (छोटे व्रत) कहा जाता है।

- इसलिए, कोई यह देख सकता है कि जबकि ब्राह्मणवाद एक कर्मकांड-उन्मुख धर्म था, यह नया विश्वास आचरण-उन्मुख था।

प्रश्न 100: "समाधि मरण" किस दर्शन से संबंधित है?

(a) बौद्ध दर्शन

(b) जैन दर्शन

(c) योग दर्शन

(d) लोकायत दर्शन

उत्तर: (b)

व्याख्या:

- समाधि मरण, सल्लेखना, संन्यास मरण जैन नैतिक आचार संहिता द्वारा निर्धारित अंतिम व्रत है। **इसलिए, विकल्प (b) सही है।**
- जैन साधु और सामान्य अनुयायी अपने जीवन के अंत में भोजन और तरल पदार्थ का सेवन धीरे-धीरे कम करके समाधि मरण का व्रत लेते हैं।
- इसकी अनुमति तब दी जाती है जब बुढ़ापे, लाइलाज बीमारी के कारण सामान्य जीवन जीना संभव न हो या जब कोई व्यक्ति अपने जीवन के अंत के करीब हो।

KHAN GLOBAL STUDIES
Most Trusted Learning Platform
KHAN SIR